सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 06 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रजिस्ट्री प्रक्रिया अब होगी और अधिक सरल, पंजीयन विभाग ने खत्म की ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता

दिवाली पर प्रदेशवासियों को बड़ी सौगात, जनसुविधा की दिशा में बड़ा सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब भूखंड की रजिस्ट्री और भी सरल कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल और वित्त एवं पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर छत्तीसगढ़ पंजीयन विभाग ने एक महत्वपूर्ण जनहितैषी निर्णय लेते हुए कृषि भूमि की खरीदी-बिक्री (रजिस्ट्री) के लिए ऋण पुस्तिका (किसान किताब) प्रस्तुत करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। यह निर्णय किसानों और आम नागरिकों दोनों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। अब रजिस्ट्री की प्रक्रिया और अधिक सरल, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त होगी। यह निर्णय दिवाली पर प्रदेशवासियों के लिए शासन की ओर से एक बड़ी सौगात है।

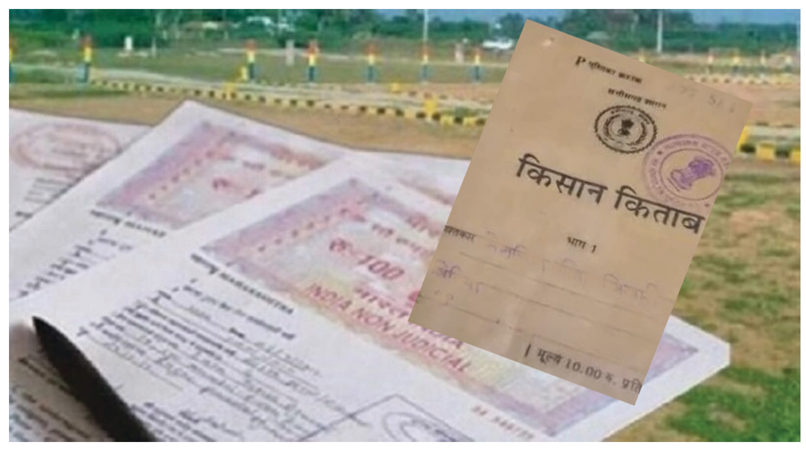

किसानों और नागरिकों को रजिस्ट्री से जुड़ी जटिलताओं से राहत दिलाने हेतु राज्य शासन ने ऑटो म्यूटेशन प्रणाली में सुधार करते हुए ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त कर दी है, जिससे पूरी प्रक्रिया अब और अधिक सरल, पारदर्शी और त्वरित हो गई है। राजस्व विभाग के ऑनलाइन रिकॉर्ड अब पंजीयन सॉफ्टवेयर से पूर्ण रूप से एकीकृत हो चुके हैं। अब रजिस्ट्री के लिए आवश्यक सभी डेटा, दस्तावेज और सत्यापन जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध रहती है। राज्य शासन ने पंजीयन प्रक्रिया को 100त्न डिजिटल सत्यापन प्रणाली में परिवर्तित कर दिया है, जिससे किसी भी स्तर पर मानवीय हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं रहेगी।

राज्य सरकार की मंशा : सुशासन, सरलता और विश्वास की दिशा में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सरल शासन ङ्क सुशासन की दिशा में लगातार नवाचार कर रही है। पंजीयन विभाग की यह पहल उसी श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध सेवा प्रदान करना है। ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त करना न केवल प्रक्रिया को सरल बनाता है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही और जनविश्वास को भी सशक्त बनाता है।

अनावश्यक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की बाध्यता से मुक्ति

इस निर्णय से अब नागरिकों को अनावश्यक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की बाध्यता से मुक्ति मिलेगी। रजिस्ट्री प्रक्रिया में समय और धन दोनों की उल्लेखनीय बचत होगी तथा दफ्तरों, पटवारी और तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इससे न केवल भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगेगा, बल्कि पंजीयन प्रणाली और अधिक पारदर्शी, त्वरित तथा जवाबदेह बनेगी, जो सुशासन और नागरिक सुविधा की दिशा में एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार ने इस निर्णय के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि शासन केवल एक नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के जीवन और उत्सवों में सहभागी एक आत्मीय परिवार है। यह कदम पंजीयन व्यवस्था में सुधार का प्रतीक ही नहीं, बल्कि दिवाली पर सुशासन और पारदर्शिता की नई रोशनी भी है।

किसानों और आम नागरिकों के हित में निर्णय

प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को सरल, पारदर्शी और त्वरित सेवाएँ प्रदान करना है। कृषि भूमि की रजिस्ट्री के लिए ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त करना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह निर्णय किसानों और आम नागरिकों दोनों के लिए राहतकारी सिद्ध होगा तथा पंजीयन प्रक्रिया को पूर्णत: डिजिटल, भ्रष्टाचार-मुक्त और जवाबदेह बनाएगा। उन्होंने कहा कि शासन केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के जीवन और उत्सवों में सहभागी एक आत्मीय परिवार है। दिवाली के अवसर पर यह निर्णय जनता के प्रति इसी आत्मीयता और सुशासन की भावना का प्रतीक है।

-विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री

पंजीयन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन की प्राथमिकता जनता के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना है। कृषि भूमि की रजिस्ट्री में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता समाप्त करना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक सुधार है। राज्य सरकार ने तकनीकी एकीकरण और डिजिटल सत्यापन के माध्यम से पंजीयन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन बना दिया है, जिससे अब न केवल समय और धन की बचत होगी बल्कि भ्रष्टाचार की संभावनाएँ भी समाप्त होंगी। यह निर्णय किसानों और आम नागरिकों दोनों के लिए राहत देने वाला है।

-ओपी चौधरी, वित्त मंत्री

खास-खबर

इनोवा कार से कैश और कफ सिरप जब्त, सरगुजा के सप्लायर गिरफ्तार

बलरामपुर। जिले में पुलिस लगातार नशे के अवैध कारोबार और तस्करी पर शिंकजा कस रही है। इसी कड़ी में वाड्रफनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। यूपी से आ रही लग्जरी कार की चेकिंग के दौरान प्रतिबंधित कफसिरप और कैश बरामद किया गया है। 3 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली की यूपी के बनारस की ओर से एक लग्जरी इनोवा कार में प्रतिबंधित कफसिरप परिवहन किया जा रहा है। जिसके बाद नाकेबंदी कर कार को रोका गया, चेकिंग के दौरान 5 कार्टून में 495 शीशी प्रतिबंधित कफसिरप (मात्रा 49.5 लीटर) मिला। वहीं 73,755 नगद कैश भी बरामद किया गया। पुलिस ने तीन युवकों पर कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ख) के तहत मामला दर्ज किया। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपी में नागेश्वर यादव, अतुल यादव, और सुशीत उर्फ पिंटू यादव, सभी सरगुजा के निवासी हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान व पीएम जनमन योजना में छत्तीसगढ़ सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

■ **राष्ट्रपति के हाथों राज्य सरकार की ओर से प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने किया सम्मान ग्रहण**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है। आदि कर्मयोगी अभियान और प्रधानमंत्री जनमन योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राज्य को भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य' के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में शुक्रवार को आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। राज्य सरकार और जनजातीय विकास विभाग की ओर से यह सम्मान प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने राष्ट्रपति के करकमलों से प्राप्त किया।

प्रमुख सचिव बोरा ने इस मौके पर पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में जनजातियों और विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यो के संबंध में विस्तार से प्रस्तुती दी। वहीं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिलों में जनजातियों के विकास में किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुआल ओराम तथा राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके, जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव विभु नायर भी उपस्थित थे।

आदि कर्मयोगी अभियान ने प्रशासनिक दक्षता को नई दिशा दी

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ ने हाल के वर्षों में जनजातीय शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और प्रशिक्षण के क्षेत्र में कई अभिनव कदम उठाए हैं। आदि कर्मयोगी अभियान ने प्रशासनिक दक्षता को नई दिशा दी है, वहीं पीएम जनमन योजना ने आदिवासी समाज के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार लाया है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के जनजातीय कल्याण विभागों के अधिकारी, परियोजना निदेशक, विकास सहयोगी संस्थाएँ और जनजातीय प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

धमतरी और कोरिया भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित

कार्यक्रम में धमतरी और कोरिया जिलों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनजाति विभाग के स्टेट ट्रेनर ललित शुक्ला को भी व्यक्तिगत श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ। आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत मोहला-मानपुर, बालोद, दंतेवाड़ा और धमतरी जिलों को 'स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड' मिला, जो इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय सेवा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को राज्य के प्रत्येक जिले में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस मौके धमतरी कलेक्टर अविनाश मिश्रा, कोरिया कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, बालोद कलेक्टर दिव्या मिश्रा एवं दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत उपस्थित थे।

यह सम्मान राज्य के कर्मयोगियों के परिश्रम और समर्पण की पहचान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर समस्त विभागीय अधिकारियों और फील्ड टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य के उन कर्मयोगियों के परिश्रम और समर्पण की पहचान है, जिन्होंने जनजातीय सशक्तिकरण को धरातल पर साकार किया है। वहीं आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम ने इस उपलब्धि पर पूरे विभाग को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजातीय विकास विभाग ने जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफ्लतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार हमारे अधिकारियों, फील्ड कर्मचारियों और उन जनप्रतिनिधियों की मेहनत का परिणाम है, जो राज्य के दूरस्थ अंचलों तक योजनाओं की रोशनी पहुँचाने में दिन-रात जुटे हैं।

लव मैरिज के बाद उपजे विवाद पर भिड़े दो पक्ष, दुर्ग में युवक की चाकू गोदकर हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग में लव मैरीज के बाद उपजे विवद में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान एक युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मामला दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र के डिपरा पारा क्षेत्र की है। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। घटना के बाद माहौल तनाव पूर्ण हो गया और पुलिस बल को तैनात करना पड़ा। पुलिस ने घटना के बाद हत्या करने वाले एक नाबालिग सहित चार संदेहियों को हिरासत में ले लिया है।

दुर्ग कोतवाली पुलिस ने कि डिपरा पारा के कुष्ठ बस्ती निवासी तिलक साहू और पूजा नाम की युवती ने प्रेम प्रसंग के चलते घर से भागकर विवाह कर लिया। जिससे नाराज दोनों के घर वालों के बीच में बहस हुई। लड़की की मां ने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया। इसी बीच युवती के मुंह बोले भाई डिपरा पारा निवासी नीरज ठाकुर और उसके दोस्तों की लड़के वाले पक्ष के साथ झड़प हो गई। इसी दौरान लड़के पक्ष के युवकों ने मिलकर युवती के मुंह बोले भाई नीरज ठाकुर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घायल युवक नीरज ठाकुर को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी कुछ देर बाद ही मौत हो गई। नीरज ठाकुर जिला अस्पताल में गार्ड की नौकरी करता था। घटना के बाद पीड़ित पक्ष के लोग बड़ी संख्या में थाना पहुंचकर हंगामा खड़ा कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नीरज की हत्या करने वाले एक नाबालिग सहित चार संदेहियों को हिरासत में ले लिया गया है। स्थिति तनावपूर्ण देखकर रात में ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती घटनास्थल के आसपास कर दी गई थी। ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

तो फिर लिव इन पर बात ही क्यों करना

श्रीकंचनपथ

उत्तराखंड सरकार यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर पसोपेश में है। लोगों के निजी जिन्दगी में दखल देने को लेकर इसपर उठ रही उंगलियों का सरकार ने एक बेहद लचर किस्म का जवाब देने की कोशिश की है। सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा देकर कहा है कि वह 21 साल से कम उम्र के लोगों के लिव इन रिलेशनशिप के बारे में उनके माता पिता को नहीं बताएगी। कोई भी सरकारी एजेंसी इनकी निगरानी नहीं करेगी। कोई भी बिना बात के ऐसे कपल्स की शिकायत नहीं कर सकेगा। और तो और लिव इन में ब्रेकअप होने की स्थिति में इसकी जानकारी भी सरकार को देना जरूरी नहीं होगा। इतना ही नहीं, अब लिव-इन रिश्ते के टूटने के बाद प्रेग्नेंसी या प्रसव की जानकारी भी सरकार को नहीं देनी होगी। जब सरकार को लिव-इन कपल्य की कैसी भी जानकारी नहीं चाहिए तो वह इसका उल्लेख ही यूसीसी से क्यों नहीं हटा देती? लाख टके का सवाल है। दरअसल, सरकार युवाओं को खुश करने के साथ-साथ अपने एजेंडे पर भी काम करते रहना चाहती है। इसके साथ ही सरकार ने कहा है कि विवाह पंजीकरण में भी अब धर्म या सामुदायिक प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी। अर्थात पूर्व की स्थिति बहाल हो जाएगी। दरअसल, भारतीय मानसिकता दो नावों की सवारी कर रही है। दिलो दिमाग से वह अमेरिकी है और जुबानी तौर पर सनातनी। एक प्रेम संबंधों में खुलापन का पक्षधर है और इसे व्यक्तिगत विषय मानता है तो दूसरा प्रेमियों को चौराहे पर फांसी देना चाहता है। वैवाहिक संबंधों में भी झोलझाल है। विविधता से परिपूर्ण देश में कहीं मामा-भांजी की शादी हो रही है तो कहीं गांव की सभी लड़कियों को बहन मानने का रिवाज है। एक समय था जब चचेरे भाई-बहनों में शादियां हो सकती थीं। कभी इस सोच को वैज्ञानिक आधार देने की कोशिश की जाती है तो कभी इसे परम्परा के नाम पर थोप दिया जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण कहता है कि समान जीन्स के दोहराव से बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। सपिंड विवाह को कानूनी तौर पर शून्य घोषित किया जा सकता है। सपिंड संबंध का मतलब है कि रिश्ता खून या विरासत के काफी करीब है। बहुत सारे बंधन समाज ने खुद ही तोड़ कर फेंक दिये हैं पर ऐसे लोगों को समाज आज भी अच्छी नजरों से नहीं देखता। अलग-अलग राज्यों के वर-वधु के विवाह को यहां अंतरजातीय विवाह कहा जाता है। इसलिए जब यूसीसी में लिव-इन रिलेशनशिप का उल्लेख किया गया तो लोग कूदकर इस नतीजे पर पहुंच गए कि सरकार इसे पसंद नहीं करती। वह इसपर इतना पहरा लगाना चाहती है कि लोग ऐसा कदापि न करें। लिव-इन रिलेशनशिप के कई पहलू हैं। कुछ कपल साथ रहकर कंपैटिबिलिटी चेक करना चाहता है तो कुछ शादी को कुछ सालों के लिए टालना चाहते हैं। बड़े शहरों का महंगा लिविंग कॉस्ट उन्हें ऐसा करने के लिए बाध्य कर सकता है।

संपादकीय

बड़े नक्सली नेता बहानों से सरेंडर कर रहे

राजनीतिक दलों सहित कोई भी बड़ा नक्सली संगठन हो,उसमें पद की महत्ता तो होती ही है। बहुत सारे पद नीचे से ऊपर तक होते हैं। जो छोटे पद पर वह बड़ा पद पाना चाहता है। जो बड़ा पद पा लेता है, वह और बड़ा पद चाहता है। जब पद की बड़ी इच्छा होती है और पद के योग्य होते हुए भी किसी तो बड़ा पद नहीं मिलता है तो बड़ी निराशा होती है, बड़ा गुस्सा आता है, ऐसा लगता है कि जिंदगी भर जो किया सब बेकार गया।

ऐसे में संगठन से ही मोहभंग हो जाता है। संगठन छोड़ देना ही सबसे अच्छा विकल्प लगता है। भागदौड़ की जिंदगी से एक जगह शांति रहने का मन करता है। परिवार के लोग भी जो शांति से रह रहे होते हैं वह भी प्रेरित करते हैं कि भागदौड़ में जिंदगी गुजर गई, अब हमारे साथ आकर शांति से रहो तो यही सबसे अच्छा लगता है।

नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी के मेंबर भूपति उर्फसोनू दादा की जिंदगी भी तो बरसों से बड़ा नक्सली नेता होने के कारण भागदौड़ की रही है। आज इस प्रदेश में है तो कल उस प्रदेश में। कई बड़ी घटनाओं के उनके नेतृत्व में अंजाम दिया गया, वह सरकारी एजेंसियों की मोस्ट वाटेंड़ सूची में ऊपर था। किसी ने कल्पना नहीं थी कि वह अपने 60 साथियों के साथ महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस के सामने सरेंडर कर देगा। उसने सरेंडर किया साथ ही 54 हथियार भी पुलिस को सौंपे हैं।माना जाता है कि नक्सली लोगों को अपनी विचारधारा व हथियार से बड़ा मोह होता है,वह उसे आसानी से नहीं छोड़ते है। ऐसा तब ही होता है जब उनको लगता है कि वह कभी भी मारे जा सकते है या संगठन में कोई बड़ा पद वह चाहते हो और उनको बड़ा पद न मिले।

माना जा रहा है कि नक्सलियों के महासचिव रहे गगन्ना उर्फ बासव राजू उर्फ नंबाला केशव राव को जब सुरक्षा बलों ने घेरकर मार दिया तो उसकी जगह किसी बड़े नक्सली नेता को वह पद दिया जाना था। भूपति को उम्मीद थी कि उसके परिवार के सभी लोगों के नक्सली संगठन में रहने व नक्सलवाद के प्रति उसके समर्पण को देखते हुए संगठन का महासचिव उसको ही बनाया जाएगा। महासचिव पद के लिए भूपति के अलावा देवजी का नाम भी चर्चा में था। माना जाता है कि देवजी का महासचिव बनाए जाने पर भूपति को बहुत बड़ा झटका लगा। यह तो सर्वविदित है कि उसका पूरा परिवार नक्सली था, उसका भाई किसन नक्सली कमांडर था और सुरक्षा बलों के मुठभेड़ में मार दिया गया। किसन की पत्नी सुजाता ने तेलंगाना में सरेंडर किया था। सोनू दादा ओर उसकी पत्नी लंबे समय से नक्सली विचारधारा से जुड़कर काम कर रहे थे। सुजाता के बाद उसकी पत्नी तारक्का ने भी सुरक्षा बलों के दवाब व बड़े नेताओं के मारे जाने के बाद सरेंडर कर दिया था और भूपति ही नक्सली संगठन में रह गया था।

भूपति को नक्सली संगठन में महासचिव का पद नहीं मिला तो वह अपनी पत्नी से मिला तो उसने भूपति को सरेंडर करने के लिए प्रेरित किया। भूपति की पत्नी ने गढ़चिरौली में सरेंडर किया था, वह वहीं रहती है इसलिए भूपति ने भी गढ़चिरौली में सरेंडर किया। अमित शाह की सरेंडर करो या मारे नीति के चलते कई बड़े नक्सली नेता मारे जा चुके हैं, इससे नक्सली सगंठन के छोटे से लेकर बड़े नेताओं में मारे जाने का खौफपैदा हो गया है और सरकार से लड़ने की जगह सरेंडर कर जान बचाने को ही ज्यादा ठीक समझ रहे है। यही वजह है पिछले दिनों बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर करने लगे हैं। पूरा माड़ डिवीजन सरेंडर करने को तैयार है।

माना जाता है कि भूपति नक्सलियों का बड़ा नेता है वह यूं ही तो सरेंडर नहीं कर सकता,अगर वह यूं ही सरेंडर कर देता है माना जाएगा कि वह मरने से डर गया। वह कायर है, कोई भी बड़ा नेता कायर होने का दाग अपने दामन पर नहीं चाहता है। इसलिए भूपति को किसी बड़े बहाने की जरूरत थी, वह सरेंडर का मन को दो माह से बना रहा था। उसके लिए तो कोई बड़ा बहाना तलाश रहा था उसकी जगह देवजी को महासचिव बना दिए जाने से उसको नक्सली संगठन छोड़कर सरेंडर करने का बहाना मिला। बहाना मिला तो उसने 60 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। अब उस पर यह दाग नहीं लग सकता कि उसने मरने के डर से सरेंडर किया है, अब वह कह सकता है कि नक्सली संगठन में उसकी उपेक्षा की गई इसलिए उसने सरेंडर किया। यह सुरक्षा बलों व साय सरकार की बड़ी सफलता है कि अब नक्सली के बड़े नेता सरेंडर कर रहे हैं या मारे जा रहे हैं। यह सिलसिला यूं चलता रहा तो 2026 तक नक्सलियों का सफाया बस्तर से होने में कोई संदेह नहीं है।

भ्रष्ट व्यवस्था से कब तक होती रहेंगी निर्दोषों की मौत

योगेंद्र योगी

तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब जांच में कोल्ड्रिफसिरप में 46.2त्न डायएथिलीन ग्लाइकॉल की पुष्टि हुई। यह जहरीला केमिकल किडनी फेलियर का कारण बनता है। वहीं, नेक्स्ट्रो-डीएस और मेफटॉल पी सिरप की रिपोर्ट सुरक्षित आई।

राजनीतिक दलों और सरकारों की निगाहों में देश में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इसका नया प्रमाण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दूषित खांसी की सीरिप से होने वाली मौतें हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में मिलावटी सीरिप पीने से 11 और राजस्थान में तीन बच्चो की मौत हो गई। यह पहली बार नहीं है जब देश में स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। इससे पहले भी विदेश में निर्यात की जाने वाली खांसी की सीरिप से मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। उस वक्त यदि देश के औषिधी विभाग ने सख्त कदम उठाए होते तो जहरीली सीरप पीने से बच्चों की होने वाली मौतों को रोका जा सकता था।

आश्चर्य की बात यह कि राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकारें मानने से ही इंकार करती रही कि बच्चों की मौतें विषाक्त सीरप पीने से हुई है, जब मृतकों की संख्या बढ़ने लगी तब कहीं जाकर सरकार में बेमन से इस हादसे को स्वीकार किया। छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से 11 बच्चों की मौत के बाद प्रशासन ने डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार किया गया। कंपनी और डॉक्टर पर मामला दर्ज कर सरकार ने सिरप व श्रेसन फार्मा की सभी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया। इसके बावजूद राजस्थान की सरकार नहीं चेती। राजस्थान में भाजपा सरकार बच्चों की मौतों के मामलों में लीपपोती ही करती नजर आई।

तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब जांच में कोल्ड्रिफ सिरप में 46.2% डायएथिलीन ग्लाइकॉल की पुष्टि हुई। यह जहरीला केमिकल किडनी फेलियर का कारण बनता है। वहीं, नेक्स्ट्रो-डीएस और मेफटॉल पी सिरप की रिपोर्ट सुरक्षित आई। केंद्र सरकार ने बच्चों को कफ सिरप देने में सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस मामले की गहराई से जांच करने के लिए केंद्र और राज्य की एजेंसियों ने मिलकर एक बड़ी पड़ताल की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि जिन कफसिरप पर संदेह था, उनमें कोई भी जहरीला रसायन नहीं मिला है। जांच अभी पूरी नहीं हुई है और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल जारी है।

यह पहला मामला नहीं जब कफ सीरप से मौतों को लेकर बवाल मचा है। साल 2022-23 में गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भी भारतीय कफसिरप्स से बच्चों की मौत हुई थी। गाम्बिया में 70 बच्चों की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन मौतों को सिरप से जोड़ते हुए कहा था कि दवाओं में विषाक्त पदार्थों का स्तर अस्वीकार्य पाया गया है। इसका मेडेन फार्मास्युटिकल्स और भारत सरकार दोनों ने इसका खंडन किया था। भारत ने कहा था कि घरेलू स्तर पर परीक्षण के दौरान सिरप गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए।

उज़्बेकिस्तान सरकार ने दिसंबर 2022 में 65 बच्चों की जान लेने वाले दूषित कफ सिरप वितरित करने वाली कंपनी पर देश के अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण से बचने के लिए स्थानीय अधिकारियों को 33,000 डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया था। कंपनी ने आरोपों से इनकार किया था। इसी तरह दिसंबर 2022 में नेपाल ने 16 भारतीय दवा कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। काली सूची में डाली गई 16 कंपनियाँ इन दावों का कोई जवाब नहीं दिया है। वर्ष 2013 में रैनबैक्सी ने एक अमेरिकी अदालत में आपराधिक अपराध के सात मामलों में दोषी ठहराया और 50 करोड़ डॉलर (44.5 करोड़ पाउंड) का जुर्माना भरने पर सहमति जताई, तब भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने दावा किया था कि निहित स्वार्थ भारत में विनिर्माण गुणवत्ता को लेकर छिटपुट मुद्दे उठा रहे हैं।

भारतीय दवा निर्यात की गुणवत्ता के बारे में शिकायत करने वाले केवल अमेरिकी और यूरोपीय देश ही नहीं थे। 2014 में, वियतनाम ने 45 भारतीय दवा कंपनियों को काली सूची में डाल दिया और उसके बाद 2016 में 39 और कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। श्रीलंका, घाना, नाइजीरिया और मोजाम्बिक ने भारतीय दवा निर्यात की गुणवत्ता के बारे में शिकायत की थी। इन मामलों में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया थी कि प्रतिस्पर्धी भारतीय कंपनियों को बदनाम करने की विदेशी दवा कंपनियों की साज़िश के रूप में चित्रित करने की रही है। हमारे देश में भारतीय सरकारी प्रयोगशालाओं में दवाओं के गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के हजारों मामले सामने आए हैं। यह आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज है। भारत सरकार द्वारा संचालित एक डेटाबेस में 8,000 से ज्यादा ऐसी दवाइयाँ सूचीबद्ध हैं जो गुणवत्ता परीक्षणों में विफल रहीं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का निर्यातक है, जो विकासशील देशों की अधिकांश चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है। लेकिन यह आरोप कि इसकी दवाओं ने गाम्बिया जैसी त्रासदी पैदा की है और उज्बेकिस्तान तथा अमेरिका जैसे अन्य देशों में भी विनिर्माण पद्धतियों और गुणवत्ता मानकों पर सवाल खड़े किए गए। तब भारत ने कंपनियों के लिए निर्यात से पहले कफ सिरप के नमूनों की सरकारी अनुमोदित प्रयोगशालाओं में जाँच अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए थे। मार्च 2023 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत ने 25.4 अरब डॉलर (20 अरब) मूल्य की दवाइयाँ निर्यात कीं। इनमें से 3.6 अरब डॉलर अफ्रीकी देशों को निर्यात की गईं। गाम्बिया विवाद और कथित रूप से विषाक्त या अप्रभावी दवाओं के अन्य मामलों के बावजूद, यह उद्योग फल-फूल रहा है।

सवाल यही है कि आखिर राजनीतिक दल और सरकारें कब तक यूं ही लोगों को भ्रष्ट व्यवस्था का शिकार बनते हुए देखती रहेंगी। किसी एक घटना के स्मृति से विलुप्त होने के बाद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति आखिर कब थमेगी। देश में इतने कानून होने के बावजूद ऐसी घटनाएं कैसे होती हैं। राजनीतिक दलों को निहित स्वार्थों से हट कर इस पर सोचने की जरूरत है कि आम लोगों के जीवन को कब तक इस तरह लालफीताशाही और भ्रष्टाचार के हवाले कर दाव पर लगाया जाता रहेगा।

आरटीओ का 'लोकतांत्रिक' चमत्कार : जनता कतार में, एजेंट सरकार में

दुबेजी

अगर लोकतंत्र की सबसे जीवंत झलक देखनी हो, तो विधानसभा या संसद मत जाइए, सीधे किसी आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) के प्रांगण में जाइए। वहाँ आपको असली लोकतंत्र दिखाई देगा - जहाँ जनता सचमुच जन है, और सेवक सचमुच सेवा लेता है। कहते हैं, भारत बदल रहा है। लेकिन आरटीओ की दीवारों के भीतर समय ठहर-सा गया है। यहाँ अब भी वही पसीने से लथपथ भीड़, हाथ में फाइलें थामे बेबस लोग और सर, बस एक साइन चाहिए की अनुनय-भरी आवाजें गूंजती हैं। और इसी बीच, किसी सरकारी टेबल के किनारे, अपने मोबाइल पर गेम खेलता एक कर्मचारी आपको ऐसे देखता है जैसे आप उसके जीवन में किसी पुराने दुश्मन की तरह लौट आए हों। आरटीओ ऑफिस में अधिकारी भले ही न मिलें, लेकिन आपको एजेंट्स जरूर मिल जाएंगे। वाहन निरीक्षण के लिए तैनात निरीक्षक अपनी कुर्सी से गायब रहते हैं। अगर मिल भी गए तो कहते हैं कि बाद में आना, अभी टाइम नहीं हुआ है। अब निरीक्षक साहब हैं, और भी कई काम रहते होंगे उनके पास।

जनता के लिए सेवा : एजेंट संस्करण

आइए एजेंटों की बात करें। वही एजेंट जो हर आरटीओ परिसर में किसी स्थानीय देवता की तरह प्रतिष्ठित हैं। उनके पास न तो कोई पद है, न पहचान-पत्र, लेकिन उनका प्रभाव ऐसा कि विभाग के बाबू तक भी उन्हें भाईसाब कहकर संबोधित करते हैं। आम आदमी लाइन में घंटों खड़ा रहता है, लेकिन अगर एजेंट साहब के पास किसी की फाइल हो, तो वह फाइल ऐसे उड़ती है जैसे सीधा वीआईपी गेट से प्रवेश मिल गया हो।

आप किसी भी आरटीओ में जाइए-आपको दो प्रकार के लोग मिलेंगेः

पहला, आम आदमी — जो सर, फॉर्म भरना है कहता है।
दूसरा, एजेंट — जो सर, वो फाइल मैंने रखी थी न कहता है।
और फर्क देखिए — पहले को घूरा जाता है, दूसरे को सलाम किया जाता है।

सेवा शुल्क या वैधानिक लूट?

अगर आप अपने वाहन का फिटनेस सर्टिफिकेट खुद बनवाने की सोच रहे हैं, तो आपको कम-से-कम 6 बार चक्कर काटने पड़ेंगे, 4 अलग-अलग फॉर्म भरने होंगे और हर बार एक नया दस्तावेज कमी में पाया जाएगा। मगर यही काम अगर एजेंट के हवाले कर दें, तो साहब मुस्कुराकर कहेंगे — आपका काम तो पहले ही हो गया था, बस सिस्टम अपडेट करना था।

यह सिस्टम अपडेट दरअसल एजेंटों की कमाई का लाइसेंस है। 500 रुपये की फीस वाले काम का रेट सीधा 2000 रुपये तक पहुंच जाता है। और सबसे मजेदार बात — भुगतान भी पूरी प्रोफेशनल ईमानदारी से होता है: आधा एडवांस, आधा फाइल निकलते ही। यह व्यवस्था इतनी पारदर्शी है कि शायद सरकार भी इससे कुछ सीख सकती है।

भ्रष्टाचार मुक्त का बैनर और नीचे एजेंट की मेज

आरटीओ दफ्तरों में एक बोर्ड जरूर चमकता है —रिश्वत देना और लेना, दोनों दंडनीय अपराध हैं। इस बोर्ड के नीचे ही एजेंट साहब की कुर्सी लगी होती है, जहाँ वह ग्राहकों को सेवा पैकेज बताते हैं। और मजे की बात यह कि एजेंट न तो सरकार का कर्मचारी है, न ही उसे किसी कानूनी अधिकार की जरूरत है — क्योंकि उसे सिर्फ पहचान चाहिए। और पहचान के आगे कानून भी सलाम ठोक देता है।

सिस्टम का रहस्य-फाइलों की जुगलबंदी

अगर कोई आम आदमी किसी अफसर से पूछ बैठे-सर, मेरा काम अभी तक हुआ क्यों नहीं? तो जवाब मिलेगा-फाइल आगे नहीं बढ़ी।

अब यह आगे नहीं बढ़ी वाली फाइल कहाँ रुकी है, यह कोई नहीं बता सकता। ऐसा लगता है मानो फाइलें आरटीओ की भूलभुलैया में खो जाती हैं। मगर जैसे ही वही फाइल किसी एजेंट के हाथ लगती है, वह रास्ता खुद-ब-खुद खुल जाता है। मानो फाइल में कोई GPS सिस्टम लगा हो जो सीधे सही टेबल तक पहुंचा दे।

जनता का अनुभवः दौड़, भाग और झुक

एक आम नागरिक के लिए आरटीओ जाना किसी मैराथन रेस से कम नहीं। पहले लाइन में लगो, फिर टोकन लो, फिर दस्तावेज की कमी पर झेलो, फिर किसी के लंच टाइम में फंसो। और आखिर में जब उम्मीद टूटने लगती है, तो एक आवाज आती है-भैया, एजेंट से करवा लो, दो घंटे में काम हो जाएगा। यह आवाज अब हर आम नागरिक के कानों में मोक्ष-मंत्र बन चुकी है।

सरकार की आंखें बंद, एजेंट की जेब खुली

सरकार दावा करती है कि उसने ई-गवर्नेंस लागू कर दिया है। लेकिन असल में यह ए-गवर्नेंस बन चुका है — A for Agent. डिजिटल इंडिया के इस युग में जहाँ आदमी अपने मोबाइल से विदेशों में पैसे भेज सकता है, वहीं अपने ही शहर में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए एजेंट को कमीशन देना पड़ता है। सरकार शायद सोचती होगी कि जनता की परेशानी सुनने से बेहतर है उसे सहने की आदत डाल दो। और जनता भी अब समझदार हो चुकी है-वह जानती है कि व्यवस्था से नहीं, व्यवस्था के 'संपर्क' से काम होता है।

एजेंट ही असली 'सारथी' हैं

सरकार सारथी पोर्टल चला रही है, लेकिन असली सारथी तो वही एजेंट हैं, जो जनता की फाइलों को मंजिल तक पहुंचाते हैं। वे बिना पद, बिना पहचान के इस देश की अदृश्य सरकार हैं-जहाँ लोकतंत्र का असली मंत्र है: काम वही होता है, जो एजेंट कराता है। कभी-कभी लगता है, परिवहन विभाग अब विभाग नहीं, एक संस्कृति बन चुका है-जहाँ आम आदमी उम्मीद लेकर आता है, और अनुभव लेकर लौटता है। और शायद यही भारत की सुविधाजनक व्यवस्था का सबसे बड़ा चमत्कार है। फाइलें भले न चलें, लेकिन एजेंटों की दुकानें हमेशा चलती रहती हैं।

हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं

श्रुति व्यास

हम खतरनाक समय में जी रहे हैं! और यह न रूपक में, न मनोदशा में, बल्कि मापी जा सकने वाली सच्ची बात है। यह किसी हेडलाइन या चिंता से उपजी अतिशयोक्ति नहीं है। यह विज्ञान है। मानवता अब आत्मविनाश के कितने करीब पहुँच चुकी है, इसका प्रतीक डूम्सडे क्लॉक का इस साल 89 सेकंड पर टिकना है, आधी रात के, यानी विनाश के, सबसे नजदीक। 'बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स' के वैज्ञानिकों और नोबेल विजेताओं की समिति ने यह समय इस साल आगे बढ़ाया, इस चेतावनी के साथ कि दुनिया अब परमाणु दुस्साहस, जलवायु अराजकता, तकनीकी अतिरेक और भ्रामक सूचनाओं के दलदल में डूब रही है।

उनके शब्दों में-हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं-रूपक रूप में नहीं, बल्कि नापने योग्य रूप में और यह सब दिखता है। मौसम पागल हो चुका है। इस साल भारत ने ही काफी तबाही झेली, पहाड़ काँपने लगे हैं, नदियाँ विद्रोह कर रही हैं, और शहर अपनी ही महत्वाकांक्षा में घुट रहे हैं। धरती को इतना खोदा जा चुका है कि जमीन अब खोखली महसूस होती है। यहाँ तक कि आसमान भी बदल गया है अब वह शांत, दार्शनिक नीला नहीं जो कभी हमें ठहरकर ऊपर देखने को मजबूर करता था। वह नीला अब जलता है, धुंध और ताप से धुंधला हुआ, जैसे क्षितिज पर खुद प्रकृति ने चेतावनी लिख दी हो।

लेकिन पतन सिर्फ प्राकृतिक नहीं है, वह राजनीतिक भी है और डरावनी बात यह है कि वह लोकतांत्रिक भी है। आज दुनिया की अव्यवस्था केवल तानाशाहों की बनाई नहीं है, उसे लोकतंत्रों ने भी मिलकर गढ़ा है, और शायद परिष्कृत भी किया है। जो देश कभी अंतरराष्ट्रीय नैतिकता के स्थापक थे, वे अब अपने ही घरों में उसे तोड़ रहे हैं। वे संस्थाएँ, जो सत्ता के अतिरेक से नागरिकों की रक्षा के लिए बनी थीं-संसदें, अदालतें, मीडिया, विश्वविद्यालय-वे सब राजनीतिक दबाव या जन-थकान के बोझ तले चरमराने लगी हैं। लोकतंत्रों के पुराने checks and balances अब संतुलन नहीं बनाते।

वॉशिंगटन में, शासन पार्टीगत नाटक बन गया है। नई दिल्ली में, असहमति को देशद्रोह समझ लिया जाता है। यरूशलम में, न्यायपालिका एक व्यक्ति की इच्छा के आगे झुक जाती है। हमारे समय की अव्यवस्था अब सिर्फ वैश्विक नहीं, संस्थागत भी है, प्रणालीगत और आत्मनिर्मित। जो शुरुआत लोकतंत्र के क्षरण से हुई थी, वह अब उसके नए रूप में कठोर हो चुकी है-performative populism यानी प्रदर्शनकारी जनवाद। अब सत्ता चुपचाप नहीं चलाई जाती, उसे रोज मंचित किया जाता है टीवी पर, सोशल मीडिया पर, रैलियों में। और जो संस्थाएं सवाल उठाने के लिए बनी थीं, उन्हें हास्यास्पद बनाकर अप्रासंगिक किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की अनदेखी की जाती है, अंतरराष्ट्रीय संधियाँ कमजोर कर दी गई हैं, और मानवाधिकार अब केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

जो व्यवस्था के रक्षक थे, वही अब उसे अस्थिर करने वाले बन गए हैं, शक्ति और सुविधा की भाषा में क़ानून को फिर से लिखा जा रहा है। इस बीच, महाद्वीपों के पार 110 सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे ज्यादा। सिर्फ एशिया में ही 21 युद्ध सक्रिय हैं, भारत और पाकिस्तान की पुरानी वैर-दृष्टि, भारत और चीन की जमी हुई सीमाएँ, पाकिस्तान और अफगानिस्तान का नया तनाव। ये दूर की जंगें नहीं हैं, यह पड़ोसियों के बीच की लड़ाइयाँ हैं, नदियों, सीमाओं, गर्व और स्मृति के नाम पर।

1990 के दशक का जो शांति लाभांश था, वह अब पूरी तरह उड़ चुका है। युद्ध फिर लौट आया है भाषा बनकर, नीति बनकर, विचारधारा बनकर। यहाँ तक कि यूरोप, जिसने दावा किया था कि उसने अपने युद्धों को बीसवीं सदी के मलबे के नीचे दफना दिया है, अब फिर लहूलुहान है। रूस का यूक्रेन पर आक्रमण उस भ्रम को तोड़ चुका है कि युद्ध अब इतिहास हैं। और पश्चिम एशिया तो मानो हमेशा जलता रहता है - गाजा, लेबनान, ईरान, यमन -एक संघर्ष पर दूसरा संघर्ष, जब तक विनाश सामान्य नहीं लगने लगता। हर मोर्चा दूसरे को ईंधन देता है। हर युद्धविराम एक intermission जैसा लगता है, अंत नहीं।

और इस अराजकता के बीच मंच पर आते हैं वे पुरुष- डोनाल्ड ट्रंप, नरेंद्र मोदी, बेंजामिन नेतन्याहू, व्लादिमीर पुतिन, रेचेप तैयप एर्दोगन- और उनके जैसे बाकी सब। हर कोई अपने-अपने तूफान का उत्पाद है, पर मिलकर वे शक्ति का एक पैटर्न रचते हैं। वे व्यवस्था को शांत करने नहीं, नियंत्रित करने आते हैं। संस्थाएं पुनर्निर्मित करने नहीं, उन्हें अपने प्रतिबिंब में ढालने। वे सब एक ही कोरियोग्राफी में चलते हैं, यह भ्रम कि अव्यवस्था को करिश्मे से संचालित किया जा सकता है, कि कानून लोचदार है, और व्यवस्था उसी की है जो उसे फिर से परिभाषित करने का साहस रखता है। उनका उभार राष्ट्रों की ताकत नहीं, नागरिकों की थकान का प्रमाण है, ऐसी जनता की, जो अस्थिरता से इतनी थक चुकी है कि वर्चस्व को ही नियति मान बैठी है। हमारे समय की त्रासदी यही है, पुराने नियम अब लागू नहीं, और कोई उनके लौटने को लेकर nostaligic भी नहीं। 1945 के बाद जो व्यवस्था नैतिक पुनर्निर्माण के आधार पर बनी थी, उसका भार अब खत्म हो चुका है। हम अब ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ नैतिक ज्यामिति नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म का हिसाब चलता है। जहाँ आक्रोश भी प्रतिस्पर्धा है, और स्मृति हर न्यूज साइकिल के साथ रीसेट हो जाती है।

बीसवीं सदी में दानव थे, लेकिन अपराधबोध भी था। इक्कीसवीं सदी ने तमाशे को पूर्णता दी है। और फिर भी, इतिहास घूमकर वहीं आ गया है। जिस सदी को डिजिटल और लोकतांत्रिक होना था, वह अब मध्यकालीन लगती है, असमानताओं में सामंती, राजनीति में सांप्रदायिक, और नेतृत्व में निरंकुश। दुनिया का नक्शा प्रगति से ज़्यादा पतन जैसा दिखता है, सीमाएँ कठोर, पड़ोसी शत्रु, और राष्ट्र धर्म, पहचान, और भय को हथियार बनाते हुए। इतिहास बताता है कि लगभग हर बड़ा युद्ध पड़ोसियों के बीच लड़ा गया। हम फिर उसी खतरनाक नजदीकी में पहुँच चुके हैं। इस युग का सबसे बड़ा खतरा युद्धों की संख्या नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी सहजता है। कभी कहा गया था दुनिया का अंत धमाके से नहीं, फुसफुसाहट से होगा। लेकिन अब शायद यह अंत अलग होगा खामोशी से नहीं, शोर से।

उस शोर से जो क्रोध का है, पर कर्म का नहीं; जो शक्ति का है, पर सिद्धांत का नहीं; उन नेताओं का, जो वर्चस्व को नियति समझ बैठे हैं। डूम्सडे क्लॉक इसलिए अब सिर्फ वैज्ञानिक चेतावनी नहीं, बल्कि मानवीय अहंकार का प्रतीक है। आज यह घड़ी आधी रात से 89 सेकंड दूर है। कल इसकी सुइयाँ फिर चलेंगी- आगे या पीछे - यह इस पर निर्भर करेगा कि हम क्या चुनते हैं- सत्य या प्रचार, संयम या प्रदर्शन, मानवता या अहंकार। क्योंकि हमारा संकट समय का नहीं है, वह बुद्धि का है।

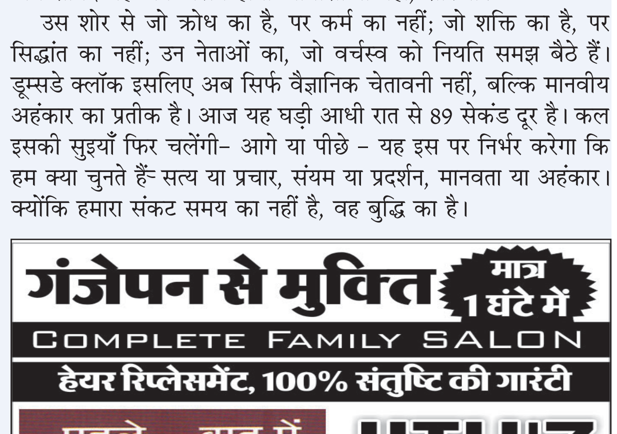

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

इस्पात भवन के समक्ष रोड डिवाइडर को मिला नया स्वरूप

भिलाई। इस्पात भवन के समक्ष स्थित रोड डिवाइडर का उन्नयन कर उसे सुंदर एवं आकर्षक रूप प्रदान किया गया। नगर सेवाएं विभाग की इस पहल का उद्देश्य इस्पात भवन परिसर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय समृद्धि को बढ़ावा देना है। आज दिनांक 17 अक्टूबर, 2025 को कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर तथा मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर इसका उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस रोड डिवाइडर में फव्वारें व पीएम ट्रॉफी तथा छत्तीसगढ़ की लोककला का चित्रण किया गया है। इस अवसर पर महाप्रबंधक ए. बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक शिवराजन, महाप्रबंधक अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक प्रशांत तिवारी, महाप्रबंधक सौमिक डे, महाप्रबंधक राजीव कुमार, महाप्रबंधक विष्णु पाठक तथा महाप्रबंधक डॉ. नवीन कुमार जैन सहित उप महाप्रबंधक आर. गर्ग, उप महाप्रबंधक डी. सी. सिंह, उप महाप्रबंधक रवि कुमार फुल्ले, सहायक महाप्रबंधक सरोज झा, विवेक गुप्ता, उप प्रबंधक संजीव सरस्वत सहित नगर सेवाएं विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके तहत् राज्य के प्रतिभावान निम्न आय वर्ग के विद्यार्थी जो कि राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यवसायिक संस्थानों जैसे आईआईटी, एम्स, आईआईएम, एनएलयू, एमबीबीएस जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हे तात्कालिक सहायता प्रदान की जाएगी। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त योजना के तहत् आमंत्रण करने हेतु विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना चाहिए। विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग की सूची में शामिल होना चाहिए। उल्लेखित संस्था में चयन की पात्रता के साथ ही चयन होने का प्रमाण पत्र एवं प्रवेश लेने हेतु संस्था द्वारा जारी सूचना पत्र होना चाहिए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पालक की वार्षिक आय रूपए 2.50 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। शासकीय सेवकों के आश्रित इस योजना के पात्र नहीं होगे किन्तु चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के बच्चे इस योजना का लाभ ले सकेंगे। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से 25 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में ऑफ्लाईन आवेदन आमंत्रित किए गए है। पात्रता, शर्ते तथा आवेदन पत्र का प्रारूप जिले की वेबसाईट- पद से डाउनलोड की जा सकती है।

मार्शलिंग यार्ड में चालक दल व ट्रेन मैनेजर संयुक्त विश्राम गृह भवन का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के भिलाई मार्शलिंग यार्ड में चालक दल व ट्रेन मैनेजर संयुक्त विश्राम गृह विस्तारित नवीनतम भवन का लोकार्पण राजीव कुमार बरनवाल , प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, एवं दयानंद, मंडल रेल प्रबंधक / रायपुर के द्वारा किया गया

आज दिनांक 17-10-2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के भिलाई मार्शलिंग यार्ड (बीएमवाई) में चालक दल व ट्रेन मैनेजर संयुक्त विश्राम गृह विस्तारित नवीनतम भवन का लोकार्पण राजीव कुमार बरनवाल , प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, द.पू.म.रेलवे एवम् दयानंद, मंडल रेल प्रबंधक / रायपुर मंडल के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ । इस गरिमामयी समारोह में अनुराग तिवारी, वरिष्ठ मंडल

विद्युत अभियंता (परिचालन)/ रायपुर मंडल एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थिति रहे । रेल परिचालन में भिलाई मार्शलिंग यार्ड (बीएमवाई) का शुरू से ही अहम् भूमिका रही है , यह एक ऐसा केंद्र बिंदु रहा है , जहां से सभी दिशाओं में गाड़ियों का संचालन होता है, साथ ही यहाँ से बहुत से गाड़ियों का प्रारम्भ भी होती है । सभी दिशाओं से गाड़ियों का आगमन व प्रस्थान मतलब है कि अन्य क्रू पॉइंट्स / डिवीज़न से चालक दल का यहाँ आना और विश्राम करके वापिस गाड़ी ले कर जाना भी होता है । वर्तमान में चालक दल कर्मी व ट्रेन मैनेजर को इस विश्राम गृह में कुल 33 रूम ही प्रदान किया जा रहा था 7 दिन प्रति दिन ट्रेनों की संख्या में बढोतरी होते जा रहा । जिससे विस्तार की अवश्यकता थी। बीएमवाई विश्राम गृह का शुरू से उद्देश्य चालक दल कर्मी को उच्च स्तर विश्राम व भोजन प्रदान करते रहने का रहा है, जिससे ड्यूटी के बाद अच्छा विश्राम व भोजन आदि के बाद चालक दल कर्मी, पुनः वापसी की ड्यूटी के लिए तरोताजा हो कर , सुरक्षित ट्रेन संचालित कर सकते है । इसी तारतम्य में विस्तारित नवीनतम 12 रूम का सर्व सुविधा भवन के बन जाने बाद प्रतिदिन कुल 45 रूम , अन्य क्रू पॉइंट्स / डिवीज़न के चालक दल कर्मी व ट्रेन मैनेजर विश्राम ले लिए उपलब्ध हो गया है जिसका लाभ अन्य क्रू पॉइंट्स/डिवीज़न से चालक दल के साथ साथ बीएमवाई मुख्यालय की चालकदल उपलब्धता बढ़ने से भी होगा ।

बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाई जागरूकता मुहिम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व बालिका दिवस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-तीन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी व खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया के मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन के डॉ. शिखर अग्रवाल व बीईटीओ सैयद असलम ने बताया कि बालिकाओं के अधिकार और उनकी स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और सामाजिक न्याय, शिक्षा पर स्वास्थ्य विभाग ने संगोष्ठी का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि हर साल 11 अक्टूबर को विश्व बालिका दिवस मनाया जाता है।

आयोजन की इस श्रृंखला में इस दौरान बालिकाओं के अधिकार को उन तक पहुंचा कर समाज के प्रत्येक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हमारी बालिकाएं स्वस्थ रहें। सैयद असलम ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की ओर से खून की कमी (एनीमिया) से बचाव करने साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड टेबलेट भोजन पश्चात स्कूलों में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को दी जाती है। वहीं स्वच्छता के संबंध में स्कूली व कॉलेज के छात्राओं के लिए माहवारी स्वच्छता अभियान चलाया जाता है।

शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत् स्कूलों में की जा रही है नियमित मॉनिटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत् विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा ने अवगत कराया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शिक्षा गुणवत्ता पर दिये गये निर्देश तथा उक्त संबंध में शासन/उच्च कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार कक्षा 05 वी, 08 वी एवं 10वीं, 12वीं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु जिले अंतर्गत विशेष कार्ययोजना तैयार कर कार्ययोजना के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु जिले अंतर्गत कार्यरत समस्त अधिकारियों के मध्य विकास खण्डवार तथा विकास खण्ड स्तर पर विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल समन्वयकों के मध्य सतत निरीक्षण किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में, जिले एवं विकास खण्ड स्तर पर सतत मॉनिटरिंग जारी है। निरीक्षण के दौरान विलम्ब से शाला आने अथवा समय पूर्व शाला से जाने वाले शिक्षकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उन्हें शाला समय व अनुशासन का ध्यान रखने तथा शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि यह संदेश अन्य शिक्षकों तक पहुंचे और वे शाला समय तथा शिक्षा गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित करें। इसके विपरीत, शासकीय प्राथमिक शाला आलबरस के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि वहां पदस्थ सहायक शिक्षक विनोद कुमार साहू द्वारा शाला समय से एक घंटा पूर्व बच्चों को शाला बुलाया जाकर नवोदय परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है।

इसी प्रकार, इसी संस्था की सहायक शिक्षक रेखा ठाकुर द्वारा भी समय पूर्व बच्चों को शाला बुलाकर परीक्षा की तैयारी कराते पाये जाने पर, उन कर्मचारियों द्वारा छात्र हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की गई, ताकि भविष्य में अन्य शिक्षकगण उनका अनुसरण कर सकें।

आया त्योहार चलो बाजार अभियान का समापन

बढ़ी बाजारों में रौनक, गूंजा लोकल बाजार से खरीदारी का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा चलाए जा रहे आया त्योहार चलो बाजार अभियान का आज सफ्ल समापन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता को जागरूक करना था कि ऑनलाइन खरीदी के बजाय स्थानीय बाजारों से खरीदारी करें, क्योंकि खुशियां मिलती हैं बाजारों में।

महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि अभियान के दौरान चेम्बर की टीम ने बाजारों, सोसायटियों, मोहल्लों और कोचिंग सेंटरों में जाकर नागरिकों और युवाओं को जागरूक किया। उन्हें समझाया कि इस दीपावली स्थानीय दुकानों से खरीदारी करें,

ताकि स्थानीय व्यापार को बल मिले और शहर की अर्थव्यवस्था सशक्त बने। इस जनजागरूकता अभियान का व्यापक असर शहरभर में दिखाई दिया। बाजारों में भीड़ और रौनक बढ़ी है, जिससे स्पष्ट होता है कि लोगों ने चलो बाजार के संदेश को हृदय से स्वीकार किया।

भिलाई चेम्बर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने बताया कि यह अभियान व्यापारी और उपभोक्ता के बीच विश्वास और अपनत्व का सेतु बना है। उन्होंने कहा कि चेम्बर का उद्देश्य न केवल व्यापार को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज में स्वदेशी अपनाओ, स्थानीय को बढ़ाओ का भाव भी मजबूत करना है।इस अभियान के तहत जी एस टी के संशोधन मूल्य पर बाजारों में दुकानदार बिक्री कर रहे है। भिलाई चेम्बर के चेयरमैन दिनकर बासोतिया जी ने कहा कि अभियान के अंतर्गत सभी बाजारों में पार्किंग व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई, जिससे ग्राहकों को सुविधा मिली और खरीदारी का अनुभव सहज बना।

इस अभियान जे तहत सिक्के वितरण का कार्यक्रम भी किया गया जिससे चिल्हर की किल्लत समाप्त हुई।सिक्का वितरण में मुख्य रूप से राम ओबेरॉय,दर्शन खटवानी व मनोहर कृष्णानी जी की मेहनत रही।

इस अभियान के तहत प्रशासन नगर निगम अधिकारियो से मुलाकात कर बाजारों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त की गई एवं बाजारों में अतिक्रमण व रोड में दुकान लगाने वालों पर कार्यवाही कर व्यवस्था सही की गई।

सीपीआर जागरूकता सप्ताह-2025 आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी निर्देशों के तहत, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जे.एल.एन. एच.आर.सी.) में 'सीपीआर जागरूकता सप्ताह-2025' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रमुख (चिकित्सालय) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस आयोजन का उद्देश्य अस्पताल के प्रमुख कर्मियों में बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) तथा कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) तकनीकों के

प्रति जागरूकता और तत्परता बढ़ाना था, ताकि वे किसी भी हृदय आपात स्थिति में तुरंत एवं प्रभावी सहायता प्रदान कर सकें।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन डॉ. जयीता सरकार (उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एनेस्थीसिया विभाग), डॉ. अमित अग्रवाल (उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एनेस्थीसिया) तथा डॉ. निलेश चंद्र (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, एनेस्थीसिया) द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस), कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) की व्यावहारिक तकनीकें, आपातकालीन स्थिति में उपस्थित लोगों (बाईस्टैंडर्स) की भूमिका तथा सीपीआर के दौरान पालन किए जाने वाले क्या करें और क्या न करें विषयों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यक्रम का समन्वय उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ईएनटी विभाग) डॉ. अश्विन द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ एम्बुलेंस ड्राइवरों तथा नर्सिंग सहायकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र के दौरान यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि आपात स्थिति में त्वरित और सही हस्तक्षेप जीवन बचाने में कितना महत्वपूर्ण होता है, और प्रत्येक व्यक्ति इस श्रृंखला में अपनी भूमिका कितनी प्रभावी ढंग से निभा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ऑनलाइन कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन प्रतिज्ञा ली, जिसमें उन्होंने संकट के समय तत्पर बने रहने का संकल्प लिया। सीख को और सुदृढ़ करने हेतु एक ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी (क्विज़) का भी आयोजन किया गया।

आयुक्त ने कल्याण कालेज ग्राउण्ड में इंडोर स्टेडियम बनाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 05 अंतर्गत सेक्टर 07 छठ तालाब, कल्याण कालेज ग्राउण्ड, सड़क 09 उद्यान, जयंती स्टेडियम के पीछे तालाब का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा सेक्टर 07 छठ तालाब का निरीक्षण किया गया। छठ त्यौहार हेतु तालाब की साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और कार्य की प्रशंसा किए। सेक्टर 07 कल्याण कालेज ग्राउण्ड का निरीक्षण किया गया । ग्राउण्ड के भीतर इंडोर स्टेडियम का प्रस्ताव तैयार करने सहायक अभियंता प्रिया करसे को निर्देशित किए हैं। समीपस्थ सड़क 09 स्थित उद्यान की साफ-सफाई का अवलोकन किया गया, उद्यान के भीतर का फव्वारा बंद पड़ा है, जिसका संधारण कर चालू करने निर्देशित किया गया है।

अमेरिका में नवरात्रि-दीपावली की रौनक बिखरी, भिलाई वासियों की रही महत्वपूर्ण भूमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिंदी यूएसए सेंट लुईस की ओर से इस वर्ष का नवरात्रि-दीपावली उत्सव उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। खास बात यह रही कि इस आयोजन में भिलाई और छत्तीसगढ़ से जाकर वहां रह रहे लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी दी। इस रंगारंग कार्यक्रम में 450 से अधिक भारतीय व अन्य देशों के लोगों ने भाग लिया और पूरे आयोजन ने एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा क्योंकि इसका संचालन और संयोजन डॉ. अंशु जैन के नेतृत्व में हुआ। डॉ. अंशु जैन हिंदी यूएसए सेंट लुईस की आयोजन समिति की प्रमुख हैं। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और इसे कुशलतापूर्वक संपन्न कराया। डॉ. अंशु इस्पात नगरी भिलाई के विख्यात प्लास्टिक सर्जन डॉ. एम. एल. जैन की पुत्री हैं। वहीं डॉ. अंशु के पति मयंक जैन भी भिलाई से हैं। मयंक वहां हिंदी यूएसए के संस्थापक है। उनके पिता सुरेश चंद जैन भिलाई के वरिष्ठ व्यवसायी हैं।

मयंक-डॉ. अंशु जैन दंपति ने बताया कि हिंदी यूएसए सेंट लुईस ने इस वर्ष 8 नई समितियां गठित की हैं, और नवरात्रि-दीपावली उत्सव नवगठित आयोजन समिति द्वारा सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने विभिन्न टीमों में मिलकर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत माँ दुर्गा की आरती से हुई, जिसके बाद बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मिलकर डांडिया और गरबा के रंगों में खूब आनंद लिया। बच्चों की उत्साही भागीदारी ने माहौल को जीवंत बना दिया, और सभी बच्चों को उपहार दिए गए।

बच्चों के लिए रैफ़ल ड्रॉ, पटाखों का प्रदर्शन, फेस पेंटिंग, बलून आर्टिस्ट जैसी आकर्षक गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वादिष्ट व्यंजनों से सजे फूड स्टॉल्स, पारंपरिक परिधानों, ज्वेलरी और सजावट की दुकानों ने उत्सव में चार चाँद लगा दिए। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रोफेशनल डीजे संगीत व्यवस्था ने माहौल को ऊर्जा से भर दिया और सभी उपस्थित जनों ने नृत्य और उत्सव का भरपूर आनंद लिया। वयस्कों के रैफ़ल फंडरेजर में भी समुदाय ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हिंदी यूएसए सेंट लुईस टीम ने इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने सभी शिक्षकों, अभिभावकों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया है। पूरे आयोजन की तस्वीरें और वीडियो यू-ट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर अपलोड कर दी गई है, जिसे दुनिया भर में भारतवासी व अन्य देशों के लोग देखकर बधाइयां दे रहे हैं। हिंदी यूएसए सेंट लुईस के संस्थापक मयंक जैन ने इस अवसर पर कहा-दुनिया के किसी भी कोने से आने वाला समुदाय भाषा व धर्म के माध्यम से एकजुट होता है। अमेरिका में भारतवासियों का धर्म के माध्यम से जुड़ना स्वाभाविक है, लेकिन भाषा के ज़रिए समुदाय बनाना एक अलग और अनूठा प्रयास है।

सेंट लुईस में हिंदी यूएसए इसका पहला उदाहरण है, जो हिंदी भाषा के माध्यम से बच्चों और परिवारों को जोड़ने का कार्य कर रहा है।उन्होंने यह बताया कि हिंदी यूएसए सेंट लुईस, राष्ट्रीय हिंदी यूएसए संस्था के अंतर्गत एक शाखा है, और संस्था वर्तमान में अपने विद्यालयों को प्रशासन स्तर पर स्कूल एवं कॉलेजों के लिए पश्चिमी संगठन (डब्ल्यूएएससी) से मान्यता दिलाने की दिशा में कार्य कर रही है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री टिकट सेवा केन्द्र (वाईटीएसके) अग्रसेन चौक का शुभारंभ

रायपुर। यात्री टिकट सेवा केन्द्र (वाईटीएसके) भारतीय रेलवे की यात्रियों बिना किसी परेशानी के रेलवे यात्रा के लिए सुगमता अनारक्षित/आरक्षित टिकट उपलब्ध करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसी कड़ी में रेलवे द्वारा रायपुर शहर के अग्रसेन चौक में रायपुरवासियों की सुविधा के लिए वाईटीएसके की सुविधा उपलब्ध कराई गई, शुभारंभ के अवसर पर रायपुर मंडल के वाणिज्य विभाग के मंडल वाणिज्य प्रबंधक राकेश सिंह एवं सम्माननीय नागरिकगण उपस्थित रहे। रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत यह 16 वां यात्री टिकट सेवा केंद्र है रायपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर 10 यात्री टिकट सेवा केंद्र उपलब्ध है ।

यह संबंधित संस्थानों को शहरो में टिकट बिक्री काउंटर स्थापित करने और आरक्षित और अनारक्षित रेलवे टिकट बेचने की अनुमति देता है। यात्री टिकट सेवा केंद्र (संचालक) कम्प्यूटरीकृत टर्मिनलों के माध्यम से आरक्षित रेल टिकिट बेचते हैं। वाईटीएसके की अवधारणा और शुरुआत आरक्षित और अनारक्षित दोनों तरह की टिकटों की सुविधाओं के विस्तार के उद्देश्य से की गई थी। इससे यात्रियों को लाभ होगा क्योंकि उन्हें स्टेशन जाने के बजाय नज़दीकी बाज़ार में वाईटीएसके से निर्धारित सर्विस चार्ज के साथ टिकट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। रायपुर रेल मंडल में आगामी दिनों में 28 यात्री टिकट सेवा केंद्र (वाई टी एस के) खोले जाने हैं।

हाजीपुर में भाजपा की चुनावी रणनीति तय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संभाली कमान

रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने बिहार चुनाव की कमान संभालते हुए गुरुवार को हाजीपुर में जिला पदाधिकारियों, मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में हाजीपुर विधानसभा सीट की सियासी चुनौती, मतदाता समीकरण और चुनावी रणनीतियों पर गंभीर चर्चा हुई। साथ ही चुनाव प्रबंधन के लिए विचार-विमर्श और अनुभव सांझा किए गए।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन ने सभी को आगामी विधानसभा चुनाव 2025 में पूर्ण समर्पण, ईमानदारी, और मेहनत से कार्य करने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि हाजीपुर में भाजपा का मजबूत किला 25 वर्षों से बना हुआ है और इस बार भी पार्टी इस क्षेत्र में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार है। सांसद बृजमोहन ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि वे इलाके में जनता के मुद्दों को गहराई से समझें और विकास के एजेंडा को मजबूती से लोगों के सामने रखें। उन्होंने संगठन को चुनावी रणनीति के अनुसार काम करने और एकजुट होकर चुनाव में भाग लेने का संदेश दिया उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भाजपा हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र में अपने किले को बचाने के लिए और जनता के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए जी-जान से प्रयासरत रहेगी। सभी कार्यकर्ताओं को समय-समय पर सूचनाएं और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि चुनावी प्रबंधन प्रभावी ढंग से हो सके।

महावीर निर्वाण दिवस पर 21 को मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में महावीर निर्वाण दिवस 21 अक्टूबर को मांस-मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में नगर पालिक निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने आदेश जारी किया है।

21 अक्टूबर को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस -मटन के विक्रय पर प्रतिबन्ध के आदेश का पालन करवाएंगे और इसके लिए अपने अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में मांस मटन की दुकानों का पर्यवेक्षण करेंगे। आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने होटलों में उक्त पावन पर्व दिवसों पर मांस-मटन विक्रय करने पर जप्ती की कार्यवाही कर सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जाएगी।

छात्रों को शासन की छात्रवृत्ति, छात्र कल्याण योजनाओं और अन्य शैक्षणिक लाभों का मिल रहा सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। मुख्यमंत्री द्वारा वीसी के माध्यम से दिए निर्देश के परिपालन में एवं कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार खल्लारी जोन में जोन स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विकासखण्ड बागबाहरा के अंतर्गत आने वाले सात संकुलों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रमुखों ने सहभागिता की। बैठक में जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने प्रमाण पत्र एवं अपार आईडी निर्माण कार्य को विद्यार्थियों की शैक्षणिक पहचान और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि जिन विद्यार्थियों के प्रकरण अभी लंबित हैं, उन्हें तत्काल पूरा कर ऑनलाइन पोर्टल पर अद्यतन किया जाए।

उन्होंने कहा कि कलेक्टर के निर्देशानुसार दिसंबर माह के अंत तक प्रत्येक विद्यालय में 100 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार होना अनिवार्य है। श्री शर्मा ने कहा कि इससे विद्यार्थियों को शासन की छात्रवृत्ति, छात्र कल्याण योजनाओं और अन्य शैक्षणिक लाभों

का सीधा लाभ मिलता है, इसलिए सभी संस्था प्रमुख इसे शीर्ष प्राथमिकता में रखें। बैठक में दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई तथा परिणाम सुधार के लिए विद्यालय स्तर पर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष अध्ययन सत्र, रिमेडियल क्लासेस तथा शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ने हेतु शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से प्रयास करने को कहा गया। कक्षा संचालन में टीएलएम के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए उन्होंने शिक्षकों से स्थानीय स्तर पर तैयार शिक्षण सामग्री का उपयोग विद्यार्थियों की समझ और रचनात्मकता बढ़ाने के लिए करने की बात कही। बैठक में यूङ्कडाइस डेटा अपडेशन, शिक्षक उपस्थिति एप, हरित विद्यालय अभियान, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, तिमाही परीक्षा मूल्यांकन, शैक्षणिक नवाचार तथा शिक्षा गुणवत्ता सुधार जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के.के. वर्मा ने कहा कि कलेक्टर के निर्देशों के अनुरूप सभी विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र एवं अपार आईडी निर्माण के शतङ्कप्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए हरित विद्यालय अभियान और शिक्षण गुणवत्ता उन्नयन कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। बैठक में एपीसी संपा बोस, बीआरसी भुपेश्वरी साहू, प्रियंका पटेल, संजय पटेल, प्राचार्य खल्लारी सविता चंद्राकर, संकुल समन्वयक आर.डी. यादव, मेघराज साहू, देव सिन्हा, परमानंद निर्मलकर, देवेंद्र चंद्राकर, विजय साहू सहित सभी संस्था प्रमुख एवं शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी संस्था प्रमुख अपने विद्यालयों में जातिङ्कअपार आईडी निर्माण कार्य, परीक्षा परिणाम सुधार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार हेतु निरंतर कार्यरत रहेंगे ताकि विकासखण्ड बागबाहरा को जिले में आदर्श मॉडल ब्लॉक के रूप में स्थापित किया जा सके।

अब राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष बंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा रायपुर स्थित क्षेत्रीय उपायुक्त, भू-अभिलेख कार्यालय, गांधी चौक मे राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई थी। अब भारत सरकार मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लालपुर रायपुर के द्वारा दी गई जानकारी राज्य के अनुसार 16 अक्टूबर को संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य से दक्षिण-पश्चिम मानसून 2025 की वापसी हो गई है, इसके फलस्वरूप राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय बाढ नियंत्रण कक्ष अब 17 अक्टूबर 2025 से बंद कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर अधिकारियों की तैयारी शुरू

पीएम मोदी अटल नगर रायपुर में राज्योत्सव स्थल में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का करेंगे शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर तैयारियां शुरू

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। 01 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी नया रायपुर अटल नगर में राज्योत्सव स्थल में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा वे शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन और प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग सेंटर एकेडमी फार ए पीसफुल वर्ल्ड शांति शिखर का शुभारंभ और सत्य सांई हॉस्पिटल में हृदय का ऑपरेशन कराने वाले बच्चों से चर्चा करेंगे।

अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ ने नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल में प्रधानमंत्री के प्रवास को लेकर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री पिंगुआ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 31 अक्टूबर की रात्रि राजधानी रायपुर पहुंचेंगे और अगले दिन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान नए विधानसभा भवन के लोकार्पण और राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर सभाएं

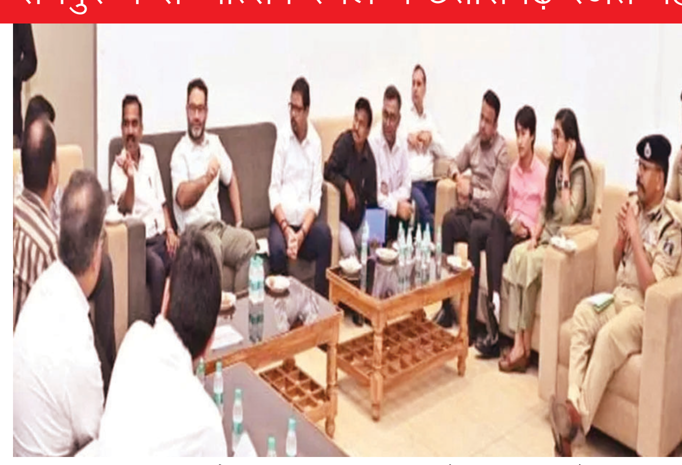

होंगी। इन आयोजनों के लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी जाए। बैठक में कलेक्टर गौरव सिंह ने प्रधानमंत्री के प्रवास को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, परिवहन विभाग के सचिव एस प्रकाश, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सचिव डॉ. एस भारती दासन, कमिश्नर रायपुर महादेव कावरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेंद सिंह सहित जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रवास के मद्देनजर ट्रैफिक प्लान और पार्किंग की व्यवस्था कर ली जाए। इसी प्रकार राज्योत्सव मेला स्थल और अन्य कार्यक्रमों के स्थल पर पार्किंग, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि नया रायपुर के चौक-चौराहों को व्यवस्थित और सौंदर्यीकरण कर ली जाए। राज्योत्सव मेला स्थल में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए को सेक्टरों में बांटकर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। कार्यक्रम के दौरान सतत् रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा वैकल्पिक व्यवस्था भी रखी जाए। इसी प्रकार साउंड सिस्टम उच्च गुणवत्तायुक्त हो। साथ ही दूर संचार विभाग के अधिकारियों को संचार व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए।

राज्योत्सव मेला स्थल पर मुख्य मंच के सामने तीन विशाल डोम बनाएं जा रहे हैं। जिनमें 60 एलईडी स्क्रीनिंग लगाए जाएंगे। मेला स्थल पर लोगों बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की जा रही है। लोगों के प्रवेश के लिए दो द्वार होंगे। एक द्वार विभागीय प्रदर्शनी के लिए होगा। विभागीय प्रदर्शनी में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के साथ ही सार्वजनिक उपक्रमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मुख्य मंच के नजदीक ही डिजिटल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मेला स्थल पर प्रधानमंत्री आवास का मॉडल भी बनाया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्योत्सव मेला स्थल के दोनों तरफ 20-20 हजार वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा अन्य शहरों से रायपुर पहुंचने वाले मार्गों पर भी पार्किंग, पेयजल आदि की व्यवस्था की जा रही है। राज्योत्सव मेला स्थल पर 300 शौचालय बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 20 बैड का हॉस्पिटल तथा आईसीयू बनाया जा रहा है। इसके अलावा 25 एम्बुलेंस और पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड वाहन की व्यवस्था की जा रही है।

सड़क पर वाहन चालकों को पढ़ाया गया यातायात नियमों का पाठ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यातायात जागरूकता अभियान की कड़ी में कचहरी चौक स्थित राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को 10.10.2025 को यातायात नियमों की जानकारी दी गयी थी। आज शास्त्री चौक में राष्ट्रीय विद्यालय के 60 छात्र-छात्राओं द्वारा अपने खेल शिक्षक व यातायात पुलिस के प्रशिक्षक टीकेलाल भोई एवं आरक्षक सहदेव वर्मा के साथ यातायात नियम लिखे तख्ती लेकर शास्त्री चौक पर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाने सड़क पर उतरे।

सिगनल में रूकने वाले वाहन चालकों को यातायात नियम दिखाकर पालन करने की समझाईश दी गयी। बच्चों ने दोपहिया चालकों से हेलमेट लगाने व चारपहिया चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की। स्टैंड वाली तख्तियों में रांग साइड वाहन न चलाए, दोपहिया चलाते समय हेलमेट धारण करें, नशे की हालत में वाहन न चलाए, सीट बेल्ट अवश्य लगाए, बिना लायसेंस वाहन न चलाये, निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन पार्क करें, सिगनल का पालन करें इत्यादि संदेश लिखे हुए थे। छात्र-छात्राओं ने शास्त्री चौक में 02 घंटे तक लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। इस दौरान यातायात थाना शारदा चौक से सउनि टीकाराम सागर, आरक्षक रामशरण क्षत्रिय एवं अन्य टीम उपस्थित थे।

पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि सड़क पर आवागमन के दौरान यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाए। यातायात नियम आपकी सुविधापूर्वक व सुरक्षित आवागमन के लिए बनाये गये है। शहर के विभिन्न मार्गों में आईटीएमएस के कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। आपकी थोड़ी सी लापरवाही असुविधा का कारण बन सकती है। त्यौहार का समय है मुख्य बाजार क्षेत्रों में भीड़भाड़ रहना स्वभाविक है, असुविधा हो सकती है। कृपया खरीददारी करने नही जा रहें हो, गंतव्य की ओर जाना है तो अन्य मार्गों का उपयोग कर आवागमन करें।

भाजपा सरकार के कामों पर विश्वास करते हुए नक्सली बड़ी संख्या में आत्म-समर्पण कर रहे - ठाकुर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने शुक्रवार को बस्तर में बड़ी संख्या में नक्सलियों द्वारा किए गए आत्म-समर्पण को भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार के नक्सलियों के समूल खात्मे के संकल्प का साकार होना बताया है। प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि सुरक्षा बलों व पुलिस के जवानों के शौर्य व प्रयासों से नक्सलियों के हौसले इतने पस्त हो गए हैं कि अब नक्सली भाग खड़े होने के लिए विवश हो रहे हैं। इसलिए आज आत्म-समर्पण करने वाले नक्सलियों की कतार इतनी लम्बी हो गई है।

ठाकुर ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संकल्प एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कामों पर विश्वास करते हुए नक्सली बड़ी संख्या में आत्म-समर्पण कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ का जो संकल्प व्यक्त किया था, वह सिद्धि की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को 210 नक्सलियों के आत्म-समर्पण की जिक्र करते हुए प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि अब पूरे देश से नक्सली समाप्त हो जाएंगे, और आदिवासी अंचल में सुख-शांति, समृद्धि व प्रगति दिखाई देने लगेगी। भाजपा की विचारधारा ही अंत्योदय व सर्वतोमुखी विकास की ओर अग्रसर होने की है और उस दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। निश्चित ही छत्तीसगढ़ में आने वाले समय में एक भी नक्सली नहीं बचेंगे और आदिवासी अंचल विकास की गाथा लिखेगा, यह भाजपा का संकल्प है।

राजधानी रायपुर में भारी मालवाहक वाहन का आवागमन शाम 5 से रात्रि 9 बजे तक शहर में रहेगा प्रवेश वर्जित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर-जगदलपुर मार्ग पर काम करने वाले भारी मालवाहक वाहन संचालक और परिवहन संघों ने त्यौहारी सीजन में शहर की जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सराहनीय पहल की है। संघों ने निर्णय लिया है कि शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक शहर में भारी मालवाहक वाहन प्रवेश नहीं करेंगे। इस समय शहर में पैदल और वाहन यातायात की अधिकता के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। रायपुर शहर में त्यौहारी सीजन में अन्य जिलों से बड़ी संख्या में लोग खरीददारी करने आते हैं, जिससे सड़क मार्गों पर दबाव बढ़ जाता है। रायपुर-धमतरी-जगदलपुर मार्ग से आने वाले वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग 30 और पुराने धमतरी रोड से शहर में प्रवेश करते हैं। संध्या और रात के समय सड़क पर भीड़भाड़ अधिक होती है और भारी वाहनों के आने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस समस्या को देखते हुए रायपुर-जगदलपुर मार्ग के प्रदीप पाठक (अध्यक्ष,

बस्तर परिवहन संघ, जगदलपुर), मनोज सिंह (अध्यक्ष, बैलाडीला ट्रक ओनर एसोसिएशन), किशोर आर्य (अध्यक्ष, नारायणपुर ट्रक मालिक संघ), गुरदीप सिंह (अध्यक्ष, भानुप्रतापपुर परिवहन संघ), सुखदेव सिंह सिद्धू (अध्यक्ष, रायपुर बस्तर कोरापुट परिवहन संघ), अजय शुक्ला (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं पंखाजुर परिवहन संघ) ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह से मुलाकात कर इस पहल की जानकारी दी। संघों ने कहा कि शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक आयरन, कोयला और सीमेंट ले जाने वाले भारी वाहन अभनपुर के आगे चंडी मोड़ और पुराना धमतरी रोड में सुरक्षित स्थानों पर रोके जाएंगे। रात 9 बजे के बाद वाहन शहर में प्रवेश करेंगे, जब यातायात कम हो जाएगा। इस कदम से शहर में जाम की समस्या कम होगी और नागरिकों को असुविधा नहीं होगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इसी मार्ग पर आगामी एक माह में आयोजित होने वाले 5 दिवसीय राज्योत्सव और वीवीआईपी प्रवास को देखते हुए यह निर्णय जनसुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने परिवहन संघों को पत्र जारी कर प्रशासन का सहयोग करने के लिए धन्यवाद भी दिया। पुलिस ने अपील की है कि रायपुर से बिलासपुर, महासमुंद, दुर्ग और बलौदाबाजार की ओर मालवाहक वाहन संचालक और परिवहन संघ त्यौहारी सीजन में शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक शहर के अंदर वाहन संचालन न करें। इसके बजाय वाहनों को आउटर मार्ग और रिंग रोड 01-02 का उपयोग कर संचालित करें। इस पहल से यह स्पष्ट संदेश गया कि जनसुरक्षा सर्वोपरि है और प्रशासन व परिवहन संघों के सहयोग से शहर में सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक्र प्रबंधन को मजबूत किया जा रहा है।

सिंधी काउंसिल ने निःशुल्क दीया व रंगोली का किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एक दीया श्रीराम के नाम देवेंद्र नगर में निशुल्क दीया एवम रंगोली वितरण सिंधी काउंसिल ऑफइंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा एक दीया श्रीराम के नाम पर देवेंद्र नगर इलाके में निशुल्क दीया एवम रंगोली वितरण किया गया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया लगातार चार दिनों से दीया एवम रंगोली वितरित की जा रही है हमारा प्रयास है दिवाली के पहले सभी घर पर दीए और रंगोली का पैकेट पहुंचे और एक आग्रह है सभी एक दीया श्रीराम के नाम से जलाए। आयोजन के मुख्य अतिथि चैंबर अध्यक्ष सतीश थोरानी ने कहा सिंधी काउंसिल की पहल को नमन बहुत अच्छा नेक कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है निशुल्क दीया एवम रंगोली हर घर तक पहुंचे इसी लक्ष के साथ काम किया जा रहा है। वार्ड पार्षद कृतिका जैन ने कहा बड़ी खुशी का पल मेरे लिए है। मेरे वार्ड में एक दीया श्रीराम के नाम पर निःशुल्क वितरण किया जा है बकपड़ा मार्केट के अध्यक्ष सरल मोदी ने बधाई दी।

सिंधी काउंसिल महिला विंग अध्यक्ष काजल सचदेव ने कहा बच्चे पुरुष महिला सभी को दीए वितरण किया गया। सबने एक स्वर में जय श्रीराम के नारे लगाए। इस अवसर पर चैंबर अध्यक्ष सतीश थोरानी सिंधी काउंसिल अध्यक्ष ललित जैसिंघ, पार्षद कृतिका जैन, पंडरी कपड़ मार्केट अध्यक्ष सरल मोदी, सिंधी काउंसिल के राजेश रेलवानी, सिंधी काउंसिल उपाध्यक्ष रितेश वाधवा, बीजेपी मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गंदेचा, भगवान यादव, सुनील पंड्या, डॉ. एनडी गजवानी,राजकुमार सोनी, जतिन नचरानी, महिला विंग अध्यक्ष काजल सचदेव, धनेश मटलानी, सुरेश सचदेव, कमलेश शर्मा, ठाकरे उपस्थित थे।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

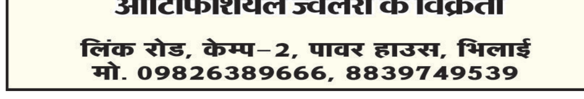

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'दे दे प्यार दे-2' ट्रेलर रिव्यू : 'दृश्यम' से 'शैतान' तक इन सेलेब्स का हुआ रीयूनियन, ट्रेलर में कितना है दम

छह साल पहले रिलीज हुई 'दे दे प्यार दे' ने अपने अनोखे कॉन्सेप्ट और दिलचस्प रिश्तों की कहानी से दर्शकों का दिल जीत लिया था। अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और तब्बू की इस रोमांटिक कॉमेडी ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था बल्कि उम्र, प्यार और रिश्तों पर एक हल्का-फुल्का लेकिन सोचने पर मजबूर करने वाला मैसेज भी दिया था। अब 'दे दे प्यार दे-2' आ रही है और इस बार कहानी और भी मजेदार, भावनात्मक और रिलेशनशिप के नए आयाम खोलने वाली लग रही है।

नई कहानी, नए किरदार

सीक्वल में कई नए चेहरे जुड़े हैं। अजय और रकुल के अलावा आर माधवन, गौतमी कपूर और इशिता दत्ता इस बार फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत हल्की-फुल्की कॉमेडी से होती है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी एक दिलचस्प पारिवारिक और भावनात्मक मोड़ लेती दिखती है। जहां पहली फिल्म में हमने देखा था कि रकुल प्रीत अपने बॉयफ्रेंड (अजय देवगन) के घर जाती हैं और वहां उनकी एक्स वाइफ और बच्चों से मिलती हैं- वहीं इस बार अजय देवगन अपनी गर्लफ्रेंड रकुल प्रीत के घर पहुंचते हैं, जहां उन्हें एक ऐसा सरप्राइज मिलता है जो कहानी को पूरी तरह पलट देता है।

यहां एंट्री होती है आर माधवन की, जो रकुल प्रीत के पिता बने हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछली बार हॉरर थ्रिलर 'शैतान' में आर माधवन ने अजय देवगन की बेटी को पजेस्ट किया था, और इस बार अजय उस लड़की से प्यार करते हैं जो माधवन की बेटी है। यह अनोखा कनेक्शन दर्शकों के लिए एक अलग तरह का नॉस्टैल्जिक टच लाता है।

ट्रेलर की झलक

फिल्म का ट्रेलर लंबा है लेकिन एंटरटेनिंग भी। इसमें कॉमेडी, ड्रामा, और इमोशन तीनों का सही मिश्रण देखने को मिलता है। अजय देवगन हमेशा की तरह अपने क्लासी और चार्मिंग अवतार में नजर आते हैं, वहीं आर माधवन का ठहराव और सेंस ऑफ ह्यूमर कहानी में बैलेंस लाता है। रकुल प्रीत सिंह इस बार और भी फ्रेश और कॉन्फिडेंट दिख रही हैं, जबकि गौतमी कपूर और इशिता दत्ता परिवार के इमोशनल हिस्से को मजबूती देती हैं।

कहानी का मूड और डायरेक्शन

'दे दे प्यार दे 2' का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है, जबकि कहानी और स्क्रीनप्ले तरुण जैन और लव रंजन ने लिखा है। लव रंजन की फिल्मों की तरह इसमें भी रिश्तों की उलझनें, प्यार में उम्र का अंतर, और समाज के ताने-बाने पर ह्यूमर का शानदार टच देखने को मिलता है। संवाद चुटीले हैं और फिल्म का टोन हल्का लेकिन सोचने लायक है- जैसे कि आप हंसते-हंसते रिश्तों की सच्चाई पर विचार करने लगें। कुल मिलाकर 'दे दे प्यार दे 2' सिर्फ एक सीक्वल नहीं, बल्कि रिश्तों के बदलते नजरिए की अगली कड़ी लगती है। ट्रेलर देखकर लगता है कि फिल्म में एंटरटेनमेंट, इमोशन और रिलेशनशिप ड्रामा का पूरा मसाला मौजूद है। अब देखना ये है कि क्या 'दे दे प्यार दे 2' अपने पहले पार्ट जितना ही दिल छू पाएगी या नहीं।

'कॉकटेल 2' के बाद शाहिद कपूर शुरू करेंगे 'फर्जी 2', निर्माताओं ने इतने करोड़ रुपये दी सैलरी

ताजा मिल रही जानकारी के मुताबिक 'कॉकटेल 2' को खत्म करने के तुरंत बाद शाहिद कपूर वेब सीरीज 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर देंगे। इस सीरीज को करने के लिए मेकर्स ने शाहिद कपूर को मुंहमांगी रकम दी है। 'फर्जी 2' के लिए शाहिद कपूर को उनके करियर की सबसे ज्यादा सैलरी मिली है।

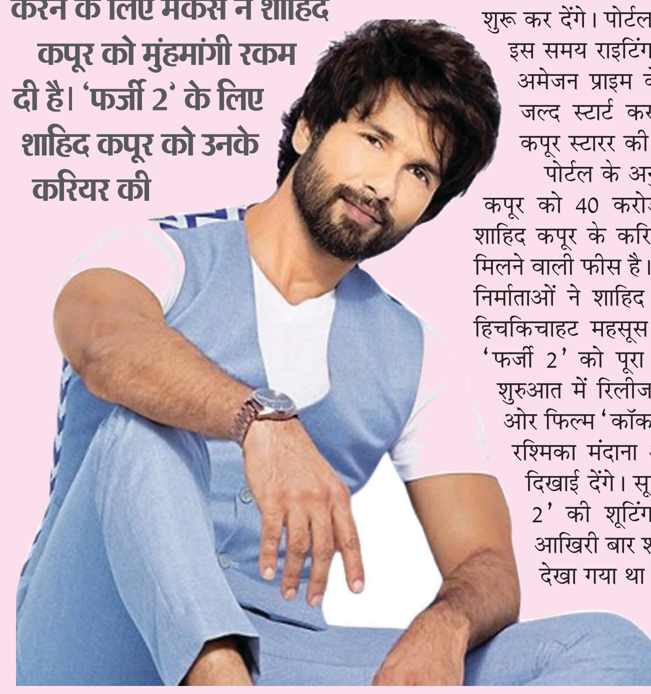

शाहिद कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री के इन एक्टर्स में से एक हैं, जिन्होंने अपने दम पर फैन्स के बीच अलग पहचान बनाई है। 'कबीर सिंह' की धांसू सफलता के बाद से ही बॉलीवुड के कई बड़े-बड़े डायरेक्टर शाहिद कपूर के साथ काम करने को बेताब नजर आए। इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई की थी। लेटेस्ट जानकारी की बात करें तो शाहिद कपूर इन दिनों दिनेश विजान के बैनर तले बन रही फिल्म 'कॉकटेल 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मूवी के शूटिंग सेट से कई पिक्स और वीडियोज ऑनलाइन लीक हो चुके हैं। 'कॉकटेल 2' के साथ-साथ अब शाहिद कपूर ने ओटीटीट सीरीज 'फर्जी 2' की शूटिंग को भी शुरू कर दिया है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार शाहिद कपूर ने वेब सीरीज 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू करने की सभी तैयारियां कर ली हैं। बताया जा रहा है कि 'फर्जी 2' की तैयारी मेकर्स अगले साल जनवरी से शुरू कर देंगे। पोर्टल से सूत्रे के अनुसार यह सीरीज इस समय राइटिंग स्टेज में है। राज एंड डीके भी अमेजन प्राइम के साथ इस मूवी को जल्द से जल्द स्टार्ट करने के लिए बेताब हैं। शाहिद कपूर स्टारर की शूटिंग 6 महीने तक चलेगी।

पोर्टल के अनुसार 'फर्जी 2' के लिए शाहिद कपूर को 40 करोड़ रुपये सैलरी मिली है। यह शाहिद कपूर के करियर की अब तक सबसे ज्यादा मिलने वाली फीस है। पहले पार्ट की सफलता के बाद निर्माताओं ने शाहिद कपूर को इतने रुपये में कोई हिचकिचाहट महसूस नहीं की थी। साल 2026 में 'फर्जी 2' को पूरा करने के बाद इसे 2027 की शुरुआत में रिलीज कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर फिल्म 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर के साथ रश्मिका मंदाना और कृति सेनॉन लीड रोल में दिखाई देंगे। सूत्रों ने पुष्टि की है कि 'कॉकटेल 2' की शूटिंग दिसंबर में पूरी हो जाएगी। आखिरी बार शाहिद कपूर को फिल्म 'देवा' में देखा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी। शाहिद कपूर संग फिल्म 'देवा' में पूजा हेगड़े नजर आई थीं।

फिल्म रिलीज से पहले 'थामा' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, आयुष्मान खुराना-रश्मिका मंदाना के किसिंग सीन को किया छोटा

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' की रिलीज करीब आ रही है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म के रिलीज होने से पहले इस पर सेंसर बोर्ड ने कैंची चला दी है और कई बदलाव किए हैं।

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना पहली बार साथ में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। थामा फिल्म के रिलीज होने से पहले इस पर सेंसर बोर्ड ने कैंची चलाई है और इसमें कई बदलाव किए गए हैं। इसमें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना के किसिंग सीन पर सेंसर बोर्ड ने कैंची चलाई है। फिल्म में कुल 5 बदलाव किए गए हैं।

सेंसर बोर्ड ने किए 5 बड़े बदलाव

थामा फिल्म को सेंसर बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन (CBFC) से U/A सर्टिफिकेट दिया गया है। इसके अलावा फिल्म में 5 बड़े बदलाव किए गए हैं। इसमें सबसे पहला बदलाव फिल्म से एलेग्जेंडर शब्द को हटाया गया है और उसकी जगह सिकंदर शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा फिल्म में अश्वत्थामा शब्द को म्यूट किया गया है। वहीं फिल्म में दूसरा बड़ा बदलाव रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना के किसिंग सीन को लेकर है। फिल्म से दोनों के किसिंग सीन की टाइम ड्यूरेशन को 30 परसेंट तक कम किया गया है।

फिल्म में खून चूसने की आवाज को किया धीमा

वहीं इस फिल्म के बाकी बदलाव की बात करें तो फिल्म के बीच में एंटी स्मोकिंग स्टेटिक मैसेज को सुपर इंपोज किया गया है। चौथे बदलाव में सीन के दौरान खून चूसने की आवाज को थोड़ा धीमा किया गया है। पांचवां बदलाव फिल्म में 'आजादी दूंगा' शब्द को 'अय्याशी करता हूं' से रिप्लेस किया गया है। फिल्म में सेंसर बोर्ड ने ये 5 बड़े बदलाव किए हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

बता दें कि आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' का निर्देशन मैडॉक के बैनर तले किया गया है। इस फिल्म में आयुष्मान और रश्मिका के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी, फैजल मलिक, सत्यराज और परेश रावव भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में नोरा फतेही और वरुण धवन की स्पेशल अपीयरेंस है। थामा फिल्म सिनेमाघरों में 21 अक्टूबर 2025 को दस्तक देगी।

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग, असल जिंदगी में भी बिंदू देसाई को निगेटिव समझते थे लोग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई?

बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म अनपढ़ में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म दो रास्ते उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने इत्तफाक, आया सावन झूम के, डोली, कटी पतंग, और जंजीर जैसी फिल्में की।

बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूं जबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं। आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म महबूबा में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

तेजस्वी प्रकाश ने बजाई करण की EX गर्लफ्रेंड की बैंड! अनुषा दांडेकर को दिया करारा जवाब

एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के बर्थडे पर कई सारी फोटोज शेयर कीं और कैप्शन कुछ ऐसा दिया जिसके बाद से हर किसी को लग रहा है कि उन्होंने अनुषा दांडेकर को करारा जवाब दिया है। अनुषा, करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड हैं और उन्होंने उनके बारे में इशारे में काफी कुछ कहा था।

तेजस्वी प्रकाश ने करण कुंद्रा के लिए किया पोस्ट

एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के जन्मदिन पर एक पोस्ट शेयर की, जिसने इंटरनेट पर सबका ध्यान खींचा है- न सिर्फ प्यारी तस्वीरों के लिए, बल्कि इसलिए भी कि फैंस का मानना है कि यह उनकी एक्स गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर पर एक कटाक्ष हो सकता है।

इंस्टाग्राम पर करण कुंद्रा के साथ प्यारी तस्वीरों और वीडियोज पोस्ट करते हुए तेजस्वी ने लिखा, 'अब वह सिर्फ राइट स्वाइप ही करते हैं। मेरे सपनों के राजकुमार को, जन्मदिन मुबारक हो @kkundrra।' कुछ लोगों ने इस कैप्शन को अनुषा दांडेकर के लिए करारा जवाब माना है। लोग कमेंट में तेजस्वी की तारीफ कर रहे हैं। एक ने तो कहा है कि 'क्या सही भीगाकर मारा है।'

तेजस्वी ने अनुषा को दिया करारा जवाब

कुछ हफ्ते पहले, अनुषा दांडेकर ने अपने यूट्यूब पॉडकास्ट 'अनवेरिफाइड' के एक एपिसोड में अपने पिछले रिश्ते में हुई बेवफाई के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनके एक्स पार्टनर बेवफा थे और उन्होंने अपने रिश्ते के दौरान एक डेटिंग ऐप का गलत इस्तेमाल किया था। कई लोग इस एक्स को करण कुंद्रा मान रहे थे।

अनुषा दांडेकर ने करण पर उठाए सवाल

उन्होंने कहा, 'डेटिंग ऐप्स के साथ मेरा सबसे अनोखा अनुभव तब हुआ जब मुझे एक डेटिंग ऐप के लिए कैंपेन करने के लिए साइन किया गया। उस समय मेरे बॉयफ्रेंड मैंने उसे भी मेरे साथ कैंपेन करने का ऑफर दिया। उसे जिंदगी में अब तक इस कैंपेन के लिए सबसे ज्यादा पैसे मिले हैं। उसने डेटिंग ऐप का इस्तेमाल लड़कियों से बात करने और मिलने के लिए किया और हम साथ मिलकर कैंपेन कर रहे हैं।'

अनुषा ने कही थी भद्दी बात

उन्होंने आगे कहा, 'जैसे हम दोनों एक-दूसरे के लिए होने चाहिए, लेकिन वह इसका इस्तेमाल लड़कियों से बात करने और मिलने के लिए कर रहा है, जिसका मुझे बहुत बाद में पता चला। जब मुझे पता चला कि वह पूरी मुंबई के साथ सो रहा है।' इन बयानों ने सबका ध्यान खींचा और करण के कैरेक्टर पर सवाल उठने लगे।

करण ने भी ली थी चुटकी

तेजस्वी से पहले करण ने एक इंस्टाग्राम नोट के जरिए अनुषा पर पलटवार किया था, जिसमें उन्होंने 'बॉलीवुड से जुड़ी अजीब महिलाओं' पर उत्पीड़न और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। हालांकि वो पोस्ट उन्होंने बाद में डिलीट कर दिया था।

सर्दियों में जोड़ों की अकड़न से राहत दिलाएंगे ये 3 असरदार योगासन

मौसम में बदलाव होना हमारे शरीर पर असर डालता है, खासकर जोड़ों में दर्द और अकड़न की समस्या शुरू हो जाती है। सर्दियों के मौसम में यह समस्या और भी ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे बुजुर्ग और जोड़ों से संबंधित परेशानियों से जूझ रहे लोग खासतौर पर प्रभावित होते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योगासन इस समस्या का एक प्राकृतिक और प्रभावी समाधान हो सकता है।

यह जोड़ों का लचीलापन बढ़ाने और दर्द को कम करने में मददगार साबित होता है। योग न केवल शरीर को मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव भी घटाता है।

भुजंगासन : भुजंगासन रीढ़ की हड्डी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। इस आसन को करने के लिए व्यक्ति को पेट के बल लेटना होता है और हाथों की हथेलियों को छाती के पास रखकर धीरे-धीरे छाती को ऊपर उठाना होता है। यह आसन कमर की मांसपेशियों को मजबूत करता है और रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाता है। जो लोग कमर दर्द या गर्दन और कंधों में अकड़न महसूस करते हैं, उनके लिए भुजंगासन बेहद फायदेमंद साबित होता है। इससे जोड़ों की सूजन और दर्द में आराम मिलता है।

त्रिकोणासन: त्रिकोणासन जोड़ों के लिए अत्यंत उपयोगी है, खासकर कूल्हों, घुटनों और टखनों की अकड़न दूर करने में यह आसन मदद करता है। इस आसन में व्यक्ति को सीधे खड़े होकर अपने पैरों को थोड़ा अलग रखकर, एक पैर को बाहर की ओर मोड़ना होता है। फिर शरीर को झुकाकर उस दिशा की ओर हाथ को जमीन से छूने की कोशिश करनी होती है, जबकि दूसरा हाथ ऊपर की ओर होता है। गर्दन को ऊपर की ओर घुमाकर देखने से यह आसन शरीर के कई जोड़ों को खींचता है और उनमें लचीलापन बढ़ाता है। नियमित अभ्यास से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है।

गोमुखासन : गोमुखासन खासतौर पर कंधों और कूल्हों की अकड़न को दूर करने के लिए जाना जाता है। यह बैठकर किया जाने वाला एक प्रभावी योगासन है। इसमें एक पैर को मोड़कर दूसरे पैर के नीचे रखा जाता है और दोनों हाथों को पीठ के पीछे से मिलाने की कोशिश की जाती है। इस प्रक्रिया से कंधों और कूल्हों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी गति में सुधार आता है। जो लोग अपने कंधों और कूल्हों में जकड़न महसूस करते हैं, उनके लिए यह आसन बहुत सहायक होता है। साथ ही, यह आसन रीढ़ की हड्डी को सीधा और मजबूत बनाए रखने में भी मदद करता है।

हर घर तक सम्मान की छत पहुंचाने में बिलासपुर जिला अव्वल

प्रधानमंत्री आवास योजना में ऐतिहासिक सफलता, 33 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का आशियाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में बिलासपुर जिले ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2024-25 में जिले ने 33 हजार 687 आवास पूर्ण कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण है, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आई स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान की प्रतीक भी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 55 हजार 991 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति दर्शाता है। वहीं, वर्ष 2024-25 में 33 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर जिले ने मिशन मोड में कार्य करते हुए नई मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में यह योजना प्रभावी रूप से लागू हुई है।

नियमित फील्ड विजिट, समयबद्ध वित्तीय सहायता और हितग्राहियों के साथ निरंतर संवाद के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई है। प्रशासन की प्राथमिकता रही है कि पात्र परिवारों तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। टीमवर्क और ग्रामीणों के सहयोग से ही यह संभव हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। बिलासपुर जिला इसी दिशा में सतत प्रगति कर रहा है।

वर्ष 2024-25 के लिए जिले को कुल 66 हजार 510 आवासों का लक्ष्य मिला, जिनमें से 58 हजार 977 आवासों को स्वीकृति दी गई। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने हेतु सरकार द्वारा तीन किश्तों में वित्तीय सहायता प्रदान की गई। पहली किश्त में 57 हजार 565 हितग्राहियों को, दूसरी किश्त में 47 हजार 861 हितग्राहियों को और तीसरी किश्त में 27 हजार 447 हितग्राहियों को सहायता दी गई। समय पर राशि जारी होने से निर्माण कार्यों में तेजी आई और जिले ने तय समयसीमा में लक्ष्य प्राप्त किया। प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अंचलों के गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई किरण जगाई है। पक्के घरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिला, बुजुर्गों को विपरीत मौसम में भी सुरक्षा मिली और महिलाओं को घर-परिवार के संचालन में सुविधा हुई।

यह योजना अब केवल आवास निर्माण कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है। शासन द्वारा प्रारंभ किया गया मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल हितग्राहियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से कोई भी पात्र व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति और पात्रता की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है, जिससे योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि तीन किश्तों में प्रदान की जाती है। प्रथम किश्त में 40 हजार, द्वितीय किश्त में 55 हजार और तृतीय किश्त में 25 हजार रुपये की राशि दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य है कि कोई भी ग्रामीण परिवार बेघर न रहे और प्रत्येक पात्र हितग्राही को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास प्राप्त हो सके।

मानपुर स्वास्थ्य केंद्र में सिजेरियन डिलीवरी सुविधा शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मानपुर में सफलतापूर्वक सिजेरियन डिलीवरी की गई। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में मानपुर स्वास्थ्य केन्द्र में सिजेरियन डिलीवरी शुरू होने जाने अब इस इलाके की गर्भवती माताओं को सिजेरियन ऑपरेशन के लिए 100 किलोमीटर दूर राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज तक नहीं जाना पड़ेगा।

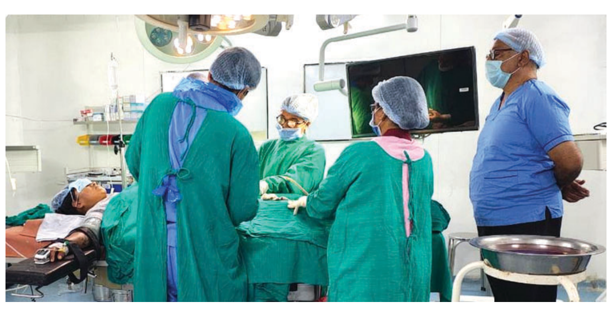

ग्राम मानपुर की शशि परतेती एवं विकासखंड मोहला के ग्राम गिधाली की श्रीमती राजेश्वरी सलामे का सफल ऑपरेशन किया गया। दोनों माताएँ एवं शिशु पूर्णत: स्वस्थ हैं। इस उल्लेखनीय सफलता में डॉ. अरविंद बनकर (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. दिलीप किशोर शर्मा (निश्चेतना विशेषज्ञ), डॉ. सुजाता किशोर शर्मा (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. सीमा ठाकुर , डॉ. गिरीश खोब्रागढ़े (खंड चिकित्सा अधिकारी) तथा संपूर्ण चिकित्सा दल का सराहनीय योगदान रहा।

पूर्व में क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को सिजेरियन डिलीवरी हेतु राजनांदगांव जाना पड़ता था, जिससे उन्हें आर्थिक बोझ और असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। अब मानपुर में यह सुविधा प्रारंभ होने से स्थानीय महिलाओं को न केवल राहत मिली है, बल्कि आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सीय सहायता भी सुलभ होगी। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग के उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके तहत ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ कराई जा रही हैं।

बीजापुर के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रौशन किया नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकने में सक्षम खिलाड़ी छत्तीसगढ़ में हैं। खिलाड़ी कभी हारता नहीं है या तो वह जीतता है या सीखता है। बीजापुर जिले के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और लगन से एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

कोरबा जिले में आयोजित 25 वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में बीजापुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 25 पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया।

खिलाड़ियों ने स्विमिंग सहित विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य पदक अपने नाम किए और ओवरऑल द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बालिका वर्ग में सदना पोरतेटी ने 3 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते। अक्षिता तोड़ेम ने 3 स्वर्ण और 1 रजत पदक प्राप्त किया। अंडर-17 बालक वर्ग में बबलु ऐंजा ने 3 रजत पदक और सरैया पालदेव ने 1 कांस्य पदक जीता। इसी तरह अंडर-14 बालिका वर्ग में रीता पोरतेटी ने 2 स्वर्ण और 1 रजत,गुंजन कोरसा ने 2 स्वर्ण और 1 रजत,सपना कोरसा ने 2 रजत और 1 कांस्य, जबकि तमन्ना ने 1 कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-14 बालक वर्ग में खिलाड़ियों ने 1 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से बीजापुर के खिलाड़ी अब राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक परचम लहराने को तैयार हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनकी सफलता में कोच दीप्ति वर्मा का मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, फिटनेस और आत्मविश्वास के साथ खेल भावना सिखाई, जिसका परिणाम आज सामने आया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीजापुर के इन युवा खिलाड़ियों ने पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। यह सफलता जिले के खेल प्रेमी युवाओं के लिए प्रेरणा है। सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है ताकि बस्तर और बीजापुर जैसे अंचलों की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर चमकें।

इस शानदार प्रदर्शन से पूरे बीजापुर जिले में खुशी का माहौल है। कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी, खेल अधिकारी एवं अन्य प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। स्थानीय खेल प्रेमियों और अभिभावकों ने भी गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि बीजापुर के इन बच्चों ने जिले को गौरवान्वित किया है।

मनरेगा से साकार हुआ सपनों का आंगनबाड़ी केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अब केवल रोजगार का साधन ही नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास का मजबूत आधार बन गई है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरीपानी में नया आंगनबाड़ी केंद्र भवन बनकर तैयार हुआ है।

इस भवन के निर्माण से न केवल नौनिहालों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिला है, बल्कि ग्रामवासियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। आंगनबाड़ी केंद्र पूर्व में एक छोटे किराए के भवन में संचालित होता था, जहां सीमित स्थान के कारण बच्चों को पढ़ाई और खेल-कूद में कठिनाई होती थी। अब 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह नया आंगनबाड़ी भवन बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। निर्माण कार्य के दौरान 494 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

नव निर्मित आंगनबाड़ी भवन में हॉल, कार्यालय, रसोईघर और शौचालय जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। भवन की दीवारों पर अक्षर ज्ञान, शिक्षाप्रद चित्र और मनमोहक कार्टून उकेरे गए हैं, जिससे बच्चे खेल-खेल में सीख रहे हैं। सहायिका ने बताया कि वर्तमान में केंद्र में 22 बच्चे पंजीकृत हैं और अब बच्चों की उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आंगनबाड़ी में नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हुआ है। साथ ही किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता और पोषण संबंधी जानकारी दी जा रही है तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पूरक पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा मनरेगा के तहत जिले में कुल 393 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इनका निर्माण कार्य तेज़ी से जारी है। यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के पोषण व शिक्षा स्तर को ऊंचा उठा रही है, बल्कि रोजगार सृजन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही है।

मछली पालन को बढ़ावा देने की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेती-किसानी के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने के लिए शासन द्वारा पशुपालन, कुक्कुटपालन और मछलीपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में कोण्डागांव जिले में मछली पालन को बढ़ावा देने हेतु इसे आधुनिक एवं लाभदायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, कोपाबेड़ा में 10 दिवसीय मछुआ प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया।

यह प्रशिक्षण 08 अक्टूबर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया गया, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 के विभागीय योजनान्तर्गत संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य मत्स्य पालकों के तकनीकी ज्ञान में वृद्धि करना एवं उन्हें आधुनिक मछली पालन तकनीकों से अवगत कराना था। उल्लेखनीय है कि मछली पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। ऐसे प्रशिक्षणों से कृषकों को नवीन तकनीकों की जानकारी मिलती है, जिससे उत्पादन में वृद्धि और आय में सुधार संभव होता है।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा उन्हें मछली पालन को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद पंचायत कोंडागांव के उपाध्यक्ष श्री टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, श्रीमती फगेश्वरी कश्यप, एम.एल. राना उप संचालक मछली पालन, योगेश देवांगन, सहायक मत्स्य अधिकारी, कु.अस्मिता सिन्हा, मत्स्य निरीक्षक, कु.नोमेश्वरी दीवान मत्स्य निरीक्षक, नवदीप ठाकुर, महेश बघेल उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी।

वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यत: पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था।

विगत 25 वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है, जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है।

यह केवल आँकड़ों की प्रगति नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मछुआ परिवारों की समृद्धि का सूचक है, जिनके जीवन में इन योजनाओं ने स्थायित्व और सम्मान जोड़ा। जिले में मत्स्य पालन को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु कई नवीन विधियों को अपनाया गया है। इसमें प्रमुख हैं- प्लेकटान ग्रोवर तकनीक-810 इकाइयाँ, झींगा पालन इकाइयाँ-517, केज कल्चर यूनिट्स-436, बायोफ्लॉक एवं पॉन्ड लाइनर पद्धति-जिनसे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार हुआ। इन आधुनिक पद्धतियों ने विशेष रूप से छोटे कृषकों और युवाओं को आकर्षित किया है, जो अब मत्स्य पालन को एक लाभकारी उद्यम के रूप में देख रहे हैं।

मत्स्य पालन विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि योजनाओं का लाभ हर मछुआरे तक पहुँचे। आज जिले में 8 हजार 980 से अधिक हितग्राही बीमा सुरक्षा और बचत सह राहत योजना जैसी योजनाओं से लाभान्वित हो चुके हैं। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता की पहुँच को भी सुलभ बनाया गया है।

वर्ष 2016 में तोरवा क्षेत्र में राष्ट्रीय मत्स्यकी विकास बोर्ड की सहायता से 1 करोड़ रूपए की लागत से छत्तीसगढ़ का पहला हाइटेक फिश मार्केट विकसित किया गया। इसमें 15 थोक दुकानें, 27 फुटकर दुकानें, आइस प्लांट और सजीव मछली विक्रय जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह बाजार न केवल व्यवसायिक केंद्र बना, बल्कि मछली विक्रेताओं को सम्मानजनक मंच भी प्रदान करता है। परंपरागत जल स्त्रोतों के साथ-साथ नदी आधारित मत्स्य पालन को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया है। शिवनाथ नदी के ग्राम जोंधरा स्थित एनीकट में 300 हेक्टेयर जल क्षेत्र को मछुआ सहकारी समिति को 10 वर्षों के लिए पट्टे पर आबंटित किया गया है, जिससे संगठित मत्स्य उत्पादन को गति मिली है।

विकासखंड कोटा के ग्राम भैसाझार निवासी इग्नियश मिंज ने यह सिद्ध कर दिखाया है कि तकनीक और मेहनत का समन्वय कैसे बड़े परिणाम ला सकता है। उन्होंने फोशियस मत्स्य पालन में प्रति वर्ष 55 मीट्रिक टन उत्पादन प्राप्त किया है। उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछली परिवहन वाहन भी प्रदान किया गया, जिसका वितरण उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव द्वारा किया गया। जिले ने मछली पालन के क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का अग्रणी जिला होने का गौरव प्राप्त किया है। यह केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि नीतियों को जमीन पर उतारने की जीवंत मिसाल है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में
कार्य करने हेतु
लड़को की
आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

पुलिस अधिकारी कोरिया जिले से गिरफ्तार, रिश्वत लेते धराया

कोरिया। कोरिया पुलिस का अधिकारी गिरफ्तार हुआ है, प्रार्थी मो. शाह खान, निवासी ग्राम खोड़, तहसील पटना, जिला-कोरिया द्वारा एन्टी करप्शन ब्यूरो, अंबिकापुर में शिकायत की गई थी कि उसकी छोटी बेटी आशिया नाज को अश्वनी कुमार उर्फ पिन्टू निवासी ग्राम खोड़ ने अपने मोटर सायकल से एक्सीडेंट कर दिया था जिससे उसकी बेटी आशिया का पैर टूट गया था। उसके द्वारा 27 सितंबर 2025 को थाना पटना में एफआईआर दर्ज कराया गया था। रिपोर्ट दर्ज कराने पश्चात् पुलिस सहायता केन्द्र पण्डोपारा, थाना पटना के एएसआई विवेचक पी. टोप्पो से मुलाकात करने पर अंतिम रिपोर्ट तैयार करने तथा आरोपी से ईलाज का खर्चा दिलवाने के नाम पर 10,000 रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। प्रार्थी रिश्वत नहीं देना चाहता था बल्कि आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था।

शिकायत सत्यापन के दौरान आरोपी पी. टोप्पो द्वारा 10,000 की जगह 15000 रुपये की मांग करने लगा, जिसमें से 3000 रुपये एडवांस के रूप में ले लिया गया। आज 17 अक्टूबर 2025 को ट्रेप आयोजित कर आरोपी एएसआई पी टोप्पो एवं उसके सहायक (निजी व्यक्ति) राजू कुमार देवांगन को प्रार्थी से दूसरी किश्त के रूप में 12,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। दोनों ही आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 7 एवं 12 पीसीएक्ट 1988 के प्रावधानों के तहत् कार्रवाई की जा रही है।

गर्भवती के साथ रेप की कोशिश, डॉक्टर पर आरोप

भिलाई। गर्भवती महिला से अल्ट्रासाउंड के दौरान अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने डॉक्टर पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंनें जांच के बहाने मेरे प्राइवेट पार्ट पर हाथ फेरे और अपने पैंट की जिप खोलकर अपना प्राइवेट पार्ट टच करवाने की कोशश की है। फिलहाल पीड़िता की? शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित गर्भवती महिला भिलाई टाउनशिप क्षेत्र की रहने वाली है। वह रूटीन अल्ट्रासाउंड कराने के लिए गुरुवार को नेहरू नगर स्थित इमेज डायग्नोसिस सेंटर पहुंची थी। इस दौरान डॉक्टर ने उसके साथ छेड़छाड़ किया। पीड़ित महिला ने सुपेला थाना में एफआईआर दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि डॉ. गिरीश वर्मा ने जांच के बहाने अपने ही प्राइवेट पार्ट पर हाथ फेरना शुरू कर दिया। वहीं पेंट की चेन खोल दी और प्राइवेट पार्ट को कई बार हाथ उससे टच करवाने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि इस दौरान अल्टासाउंड कक्ष में कोई नर्स भी उपस्थित नहीं थी। डॉक्टर की हरकत से पीड़िता असहज हो गई और तत्काल कमरे से बाहर निकलकर अपने पति को जानकारी दी। इसके बाद दोनों पति-पत्नी ने इमेज डायग्नोस्टिक सेंटर नेहरू नगर के डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

बहू के हाथ के खाने में खामियां निकालना पड़ा भारी नंदिनी में दादी सास की हथौड़े से सिर फोड़कर हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला को अपनी बहु के खाने में कमियां निकालना भारी पड़ गया। बार बार बहू के हाथ बने खाने को बुरा भला कहना और इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि बहू ने अपनी दादी सास की हत्या कर दी। बहू ने दादी सास के सिर पर हथौड़े से वार किया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद नंदिनी पुलिस ने इस मामले में आरोपिया बहू को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल यह पूरा मामला नंदिनी थाना क्षेत्र के ग्राम गोढ़ी का है। गुरुवार को प्राथी सुरेन्द्र वर्मा, ग्राम गोढ़ी, थाना नंदिनी नगर व्दारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि उसकी मां उर्मिला वर्मा और उसकी बहू रोशनी वर्मा घर पर थे, बाकी सदस्य काम पर गए हुए थे। इसे पड़ोसी के व्दारा फोन से घटना की सूचना दी गई, घर आकर देखा तो उसकी मां बेडरूम में लहुलुहान पड़ी थी, उसके सिर में गंभीर चोट था, खून निकला हुआ था, उसकी मृत्यु हो चुकी थी। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर थाना नंदिनी नगर में अप.क.-261/2025 बारा 103 (1) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान सन्देही रोशनी वर्मा से पूछताछ करने पर उसने हत्या करना स्वीकार किया। आरोपिया रोशनी वर्मा ने बताया कि उसकी दादी सास के व्दारा उसे खाना बनाने के नाम पर ताना मारने तथा उसके हाथ का खाना नहीं खाने को लेकर उन दोनों के मध्य विवाद हुआ। आवेश में आकर बेडरूम में रखे लोहे के हथौड़े से दादी सास (उर्मिला वर्मा) के सिर में वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। आरोपिया की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का हथौड़ा को विधिवत् जब्त कर आरोपिया को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

अग्रसेन चौक में चलती थार में लगी आग, कार जलकर राख

बिलासपुर। न्यायधानी में शुक्रवार देर शाम अग्रसेन चौक के पास चलते वाहन में अचानक आग लगने से एक थार कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। हादसा शाम करीब 7 बजे का बताया जा रहा है। हालांकि गाड़ी चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली। मिली जानकारी के अनुसार थार वाहन अग्रसेन चौक की ओर जा रही थी तभी अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। ड्राइवर ने तुरंत गाड़ी रोककर बाहर छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने पानी और रेत डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह से जल चुका था। घटना के दौरान चौक पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के दुकानदारों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन आग लगने के कुछ ही मिनटों में गाड़ी पूरी तरह राख हो गई। गनीमत रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

टाटीबंध में ब्लैक थार के अंदर मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के टाटीबंध में शुक्रवार शाम को एक ब्लैक थार के भीतर से 2-3 दिन पुरानी सड़ी-गली अर्धनग्न लाश मिली है। बताया जा रहा है कि रालास महिंद्रा शोरूम के सामने सर्विस रोड पर थार खड़ी थी। राहगीर को बदबू आने पर लाश की जानकारी मिली। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक रालास महिंद्रा शोरूम के सामने सर्विस रोड से एक व्यक्ति गुजर रहा था, तभी उसे बदबू आई। उसने थार के अंदर झांककर देखा तो लाश पड़ी थी। राहगीर ने फौरन पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लाश को बरामद कर लिया है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार करीब 15 दिन पहले थार वाहन क्रमांक CG 04 PX 6888 का भिलाई-3 के पास एक्सीडेंट हुआ था, जिसके बाद गाड़ी को खींचकर रालास महिंद्रा शोरूम टाटीबंध के सामने छोड़ दिया गया था। गाड़ी शोरूम के सामने सर्विस रोड पर खड़ी थी। इसकी खिड़की लॉक नहीं थी। शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे के करीब एक राहगीर जब वहां से गुजर रहा था। उसे गाड़ी से तेज दुर्गंध महसूस हुई। शक होने पर उसने खिड़की से भीतर झांका तो पिछली सीट पर एक युवक की सड़ी हुई लाश पड़ी थी। उसने तुरंत आमानाका पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने वाहन को सील कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी भेज दिया है। आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी रिपोर्ट खंगाली जा रही है। फोरेंसिक टीम ने गाड़ी से सैंपल्स लिए हैं जो लैब भेजे जाएंगे।

भिलाई में मोबाइल हैक कर एसबीआई व एक्सिस कार्ड के अकाउंट से पार किए डेढ़ लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के बालाजी नगर में रहने वाले शख्स से ऑनलाइन ठगी हो गई है। मोबाइल नंबर हैक कर एसबीआई व एक्सिस बैंक के क्रेडिटकार्ड से डेढ़ लाख रुपए पार हो गए। इसकी जानकारी शख्स को मैसेज के माध्यम से पता चली। इस मामले में शिकायत पर खुर्सीपार पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बालाजी नगर खुर्सीपार में रहने वाले राजकुमार चौहान ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि मेरा SBI बैंक क्रेडिट कार्ड जिसका क्रेडिट नं.-4611 1993 9707 3258 एवं AXIS बैंक क्रेडिट कार्ड नं- 6529 2210 1207 5504 से 4 अक्टूबर 2025 के साथ करीब 4:30 से 5:15 के बीच मेरा फोन हैक करके किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ठगी की गई है। SBI क्रेडिट कार्ड से 53,083 रुपए और 41,295 रुपए तथा AXIS बैंक क्रेडिट कार्ड से 85.335 रुपए व 26,386 रुपए लेन-देन किया गया। राजकुमार चौहान ने बताया कि इसकी सूचना 1930 पर दर्ज करया। उसने बताया कि 11 अक्टूबर को SBI क्रेडिट कार्ड से 53.083 रुपए वापस आ गए। 1,50,986 रुपए का लेनदेन वापस नहीं आया। इस प्रकार अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्रेडिट कार्ड से पर्चेस किया गया है। फिलहाल इस मामले में खुर्सीपार पुलिस अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुर्ग पुलिस ने चलाया ऑपरेशन विश्वास, गांजा तस्करी करते 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना उतई पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत गांजा की खरीद-फरोख्त में शामिल आरोपियों को पकड़कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 1.35 किलोग्राम गांजा, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन जब्त किया है।

पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तंवर ने बताया कि 16 अक्टूबर 2025 को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम डुण्डेरा के मोरिद रोड गार्डन में दो युवक अवैध गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पर थाना उतई के स्टाफ और गवाह मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दो आरोपियों- सिद्धार्थ मेश्राम (23) और यन्सु वर्मा (19) को पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों की मोटरसाइकिल की डिक्की की तलाशी लेने पर प्लास्टिक पैकेट में कुल 1.408 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान यन्सु वर्मा ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह गांजा ग्राम मटिया निवासी विजयकांत वर्मा (36) से खरीदा था। यात्रा और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने विजयकांत वर्मा और संजीव वर्मा (35) को भी हिरासत में लिया। संजीव वर्मा ने भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इस तरह कुल चार आरोपी इस मामले में गिरफ्तार हुए।

पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई में निरीक्षक महेश ध्रुव, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, सउनि राजेश सिंह और एसीसीयू टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कुल जब्त की गई सामग्री में 1.35 किलोग्राम गांजा (लगभग 13,000 मूल्य), एक

मोटरसाइकिल (40,000) और एक एप्पल आईफोन 13 (35,000) शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में मुखबिर और स्थानीय लोगों की सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों ने भी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने में सहयोग प्रदान किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे ऑपरेशन से मादक पदार्थों की तस्करी और युवाओं को नशे की लत में फंसने से रोकने में मदद मिलेगी। भविष्य में सतर्कता और अभियान पुलिस ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार के अभियान लगातार चलाए जाएंगे। दुर्ग पुलिस क्षेत्र में नशा और मादक पदार्थों की तस्करी पर पूरी तरह नजर रखे हुए है। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जिम्मेदारी व सतर्कता बरतें- साइबर पुलिस की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में आयोजित नॉकआउट डिजिटल फ्रॉड कार्यक्रम के दौरान रायपुर पुलिस अधीक्षक(साइबर), राजेश कुमार देवांगन ने कहा - 'युवाएं तकनीक के प्रति अधिक जागरूक हैं क्योंकि वे नई तकनीक को सबसे पहले अपनाते हैं। इनमें से अधिकांश तकनीकी युग में ही पैदा हुए हैं। जब हम किशोरावस्था में थे, तब शायद ही किसी के पास मोबाइल फोन होता था, इसलिए डिजिटल ठगी की संभावना लगभग न के बराबर थी। अधिकांश धोखाधडयिाँ तब होती हैं जब हम जल्दबाज़ी में या परिणामों पर विचार किए बिना कार्य करते हैं। यदि हम सिर्फ पाँच मिनट रुककर सोचें, तो हम ठगे जाने से बच सकते हैं। किसी भी अनजान व्यक्ति या अपने संपर्क सूची में न होनेवाले व्यक्ति से आए फ्रेंड-रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले अवश्य सोचें। उन्होंने आगे कहा कि — 'सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और डिजिटल रूप से जागरूक बनें। किसी भी आपातस्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर सेल हेल्पलाइन से संपर्क करें।'

विदित हो कि भारत की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, जो बजाज फिनसर्व का हिस्सा है ने रायपुर में नॉक आउट डिजिटल फ्रॉड नामक साइबर फ्रॉड जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल यूजर्स को ऑनलाइन धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी देना और अपने वित्तीय लेन-देन को सुरक्षित रखने के उपायों से अवगत कराना है। नॉक आउटडिजिटल फ्रॉड कार्यक्रम, भारतीय रिजर्व बैंक की वर्ष 2024 की एनबीएफसी के लिए जारी धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन से संबंधित दिशा निर्देशों के अनुरूप है, जिनमें प्रारंभिक पहचान, कर्मचारियों की जवाबदेही और जनसहभागिता पर विशेष जोर दिया गया है ताकि डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र सभी के लिए अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।

यह कार्यक्रम नागरिकों का ध्यान उन आम वित्तीय धोखाधडयिों की ओर आकर्षित करने पर केंद्रित है, जिन्हें ठगों द्वारा किया जाता है- जैसे कि फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, व्हाट्सऐप ग्रप्स और वित्तीय कंपनियों की नकल करने वाली वेबसाइटें, जो झूठा दावा करती हैं कि वे उन कंपनियों से जुड़ी हैं या उनके कर्मचारियों का रूप धारण करती हैं। पुलिस अधीक्षक (साइबर), राजेश कुमार देवांगन ने आगे कहा कि - आज की युवा पीढ़ी तकनीक

को सबसे पहले अपनाती है, क्योंकि वे डिजिटल युग में पैदा हुए हैं। हमारे समय में तो मोबाइल भी बहुत कम लोगों के पास होता था, इसलिए डिजिटल फ्रॉड जैसी चीजें होती ही नहीं थीं। आज ज्यादातर फ्रॉड इसलिए होते हैं क्योंकि हम बिना सोचे-समझे, जल्दबाजी में कदम उठा लेते हैं। अगर हम सिर्फ पाँच मिनट रुकें और सोचें, तो अधिकतर धोखाधड़ी से बच सकते हैं। किसी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट या लिंक स्वीकार करने से पहले जरूर सोचें। उन्होंने आगे कहा, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर सेल हेल्पलाइन से संपर्क करें।

बजाज फाइनेंस लिमिटेड के प्रवक्ता ने इस अवसर पर कहा, हमारे उपभोक्ताओं की वित्तीय सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। हम लगातार ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और जमीनी कार्यक्रमों के जरिए लोगों को साइबर-सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में साइबर पुलिस के चिंतामणि साहू, अमितवर्मा, नितेश सिंह राजपूत, और अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ जयेश त्रिभुवन, पंकज गायकवाड़, वैभव सिंह, और निखिल मिश्रा भी उपस्थित रहे। साथ ही कॉलेज छात्रों, ऐलन सेंटर के स्टाफ और नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। नॉक आउट डिजिटल फ्रॉड अभियान में साइबर समुदाय को अपने व्यक्तिगत और संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए उपयोगी सुझाव दिए जाते हैं- जैसे कि कभी भी, ओटीपी एवं पिन साझा न करना, संदिग्ध ईमेल, एसएमएस, लिंक या क्यूआर कोड पर क्लिक न करना, और अनजान स्रोतों से ऐप डाउनलोडन करना। यह कार्यक्रम देशभर के प्रमुख शहरों और कस्बों में इंटरएक्टिव वर्कशॉप्स, डिजिटल अवेयरनेस ड्राइव्स और कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम्स की श्रृंखला के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

साइबर ठगी से बचाव: स्कूली बच्चों के लिए साइबर मितान कार्यक्रम आयोजित

पेंड्रा। बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन ठगी, साइबर अपराध और इंटरनेट सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मल्टीपरपस स्कूल पेण्ड्रा के असेम्बली हॉल में साइबर मितान कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका परिषद पेण्ड्रा के अध्यक्ष राकेश जालान थे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन गेम और सोशल मीडिया के जोखिमों के बारे में बताया और पास्को एक्ट से संबंधित जानकारी दी गई। डीएसपी निकिता तिवारी ने कहा कि बच्चों को इंटरनेट का उपयोग सावधानी से करना चाहिए तथा किसी भी संदिग्ध संदेश या लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

साइबर सेल के अधिकारी मनोज हनोतिया ने बच्चों को समझाया कि रुको, सोचो, फिर आगे बढ़ो यही इंटरनेट पर सुरक्षित रहने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) तकनीक तेजी से विकसित होगी, ऐसे में साइबर सुरक्षा की जानकारी सभी के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है, तो तुरंत 1930 नंबर पर कॉल करें। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कई सवाल भी पूछे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को साइबर सुरक्षा से जुड़े पम्पलेट वितरित किए और सतर्क डिजिटल नागरिक बनने की अपील की गई। कार्यक्रम में थाना प्रभारी रणछोर सिंह सेंगर, विद्यालय के प्राचार्य रामशरण आर्मो, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी कमलेश कुमार साहू, सहायक कार्यक्रम अधिकारी के के यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री साय सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के स्थापना दिवस में हुए शामिल
90 करोड़ रुपये के 26 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर में आयोजित सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के 13वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 90 करोड़ रुपये की लागत से 26 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री साय ने जिले के प्रत्येक विकासखंड में 50-50 लाख रुपये की लागत से एक-एक सामुदायिक भवन के निर्माण तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में ओबीसी विद्यार्थियों की सीटों में वृद्धि करने की घोषणा की। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव तथा वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार पिछड़ा वर्ग के विकास और हितों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिसके लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि शासन की नीतियों और रीति-नीति से प्रभावित होकर जगदलपुर में आज 210 भटके हुए लोग मुख्यधारा में लौटे हैं तथा उन्होंने 153 हथियार भी जमा किए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी को पूर्ण करने के लिए प्रदेश सरकार पिछले 22 महीनों से समर्पण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वायदे के अनुरूप तेंदूपत्ता खरीदी की कीमत में वृद्धि की, 3100 रुपये प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदा, रामलला दर्शन योजना लागू की तथा मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना को पुन: प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त भी अनेक जनहितकारी और महत्वाकांक्षी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए समाजजनों से शासन की योजनाओं से जुड़कर विकास में सहभागी बनने की अपील की। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समाजजनों को बधाई देते हुए समाज में अपनी भूमिका को और सशक्त करने का आह्वान किया। वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज मेहनतकश और कर्मठ है। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को बेहतर ढंग से शिक्षित करने और अपने अधिकारों के प्रति सजग एवं जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने जिले में संचालित 'मावा मोदोल कोचिंग संस्थान' की सराहना करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने सर्व पिछड़ा वर्ग सम्मेलन के दौरान कुल 90 करोड़ 06 लाख 88 हजार रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें 56 करोड़ 51 लाख 40 हजार रुपये की लागत से 14 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 33 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपये की लागत से 12 निर्माण कार्यों का लोकार्पण सम्मिलित है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने ओबीसी वर्ग के तीन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर सांसद भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी, भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी, कांकेर विधायक आशाराम नेताम, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, प्रदेश मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

समर्पण, अनुशासन और समय प्रबंधन से मिलती है सफलता: राज्यपाल

195 को पीएचडी एवं 189 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा, राज्यपाल ने विद्यार्थियों को दी जीवन मूल्यों की सीख

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका कोटा स्थित डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने 195 विद्यार्थियों को पीएचडी को उपाधि और 189 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया। उन्होंने इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित दीक्षांत स्मारिका सहित अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

भाषा ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम

श्री डेका ने कहा कि भाषा ज्ञान का माध्यम है, बाधा नहीं। केवल अंग्रेजी जानने से कोई ज्ञानी नहीं बन जाता। भाषा ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम हो सकती है, लेकिन यह बाधा कभी नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि किसी भी भाषा में सच्चा ज्ञान तभी प्राप्त होता है जब हम उसमें मन, मस्तिष्क और व्यवहार से जुड़ते हैं। राज्यपाल ने दीक्षांत को सिर्फ एक समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत करार दिया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, डॉ. सीव्ही रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार घोष, कुलसचिव डॉ. अरविन्द कुमार तिवारी, आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश, आइसेक्ट समूह के सचिव डॉ. सिद्वार्थ चतुर्वेदी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कड़ी मेहनत और अनुशासन लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग

राज्यपाल डेका ने सफलता के तीन मुख्य स्तंभों दृढ़ता, कड़ी मेहनत और अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि यही वे गुण हैं जो किसी भी व्यक्ति को लक्ष्य तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और समाज के प्रति आभार प्रकट करने की सीख दी। जितनी भी सफलता आप जीवन में प्राप्त करें, अपने माता-पिता और मूल्यों को कभी न भूलें। समाज ने हमें बहुत कुछ दिया है अब हमें सोचना है कि हमने समाज को क्या दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का प्रभावी प्रबंधन करने का सुझाव देते हुए कहा कि आपके पास आज समय और स्थान दोनों हैं कि इनका सदुपयोग करें, क्योंकि यही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

विद्यार्थी के बीच आपसी संवाद, विश्वास और प्रेरणा का रिश्ता जरूरी

राज्यपाल डेका ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का माध्यम होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी के बीच आपसी संवाद, विश्वास और प्रेरणा का रिश्ता होना चाहिए। शिक्षा समावेशी होनी चाहिए और सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। अपने संबोधन के समापन में राज्यपाल ने सीवी रमन विश्वविद्यालय को भविष्य में एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बनने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा जताई कि यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने एक पेड़ मां के नाम पर पौधा रोपण किया।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास एवं राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि सपनों को हकीकत में बदलने के लिए समर्पण, अनुशासन और समय का सही उपयोग अनिवार्य है। उन्होंने युवाओं से निरंतर सीखते रहने का आह्वान किया। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि दीक्षांत केवल शिक्षा की पूर्णता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपके सक्रिय शुरूआत का योगदान है। कुलाधिपति संतोष चौबे ने विश्विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

आत्मनिर्भरता से रोशन हुई दीपावली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि ग्रामीण प्रतिभा को सही दिशा, मार्गदर्शन और मंच प्राप्त हो, तो वे अवसर को आजीविका का माध्यम बनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा सकती हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बिहान योजना से जुड़ी ग्राम केवटटोला, मोहला और भोजटोला की महिलाओं ने सामूहिक प्रयासों से अपने पारंपरिक ज्ञान और रचनात्मकता का उपयोग करते हुए दीपावली के उपयोगी उत्पाद जैसे रंगोली पाउडर, रुई की बाती, माता लक्ष्मी की मिट्टी से निर्मित मूर्तियाँ, अगरबत्ती, मिट्टी के दीये, मटके, पारंपरिक साड़ियाँ एवं मनिहारी सामग्री स्वयं तैयार कीं। समूह की महिलाओं ने उत्पादों की गुणवत्ता और पारंपरिक स्वरूप बनाए रखा, जिससे बाजार में अच्छी डिमांड रही। त्योहार के आरंभ से पूर्व ही महिलाओं ने मोहला के साप्ताहिक बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री प्रारंभ की। हस्तनिर्मित वस्तुओं को ग्राहकों द्वारा मिली सराहना ने महिलाओं का उत्साह और आत्मविश्वास दोनों बढ़ाया। बिक्री से प्राप्त आय ने न केवल उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता बनाया है। इस पहल में शामिल कई महिलाओं ने पहली बार घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर व्यवसायिक गतिविधियों में भाग लिया।

उन्होंने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के पश्चात उन्हें प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उनमें आत्मविश्वास विकसित हुआ। यह पहल केवल आय का स्त्रोत नहीं, बल्कि सामाजिक पहचान और सशक्तिकरण का माध्यम भी सिद्ध हुई। बिहान योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना एवं उन्हें आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराना है।

स्व-सहायता समूहों की मेहनत में रंग भर रहा है बिहान बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीपावली का त्यौहार नजदीक आते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मिट्टी के दिए बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। साथ ही समूह की महिलाएं आजिविका के लिए विभिन्न उत्पादों जैसे रंगोली, बांस से निर्मित सामग्रियां सहित अन्य हस्त निर्मित उत्पाद तैयार कर आजार में बेचने ला रही हैं। प्रशासन की पहल से रजत जयंती के अवसर पर इन उत्पादों को स्थानीय बाजार उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

बलरामपुर जिले के जिगड़ी ग्राम पंचायत में सक्रिय महिला स्व-सहायता समूह ने इस बार लगभग 5500 से अधिक मिट्टी के दिए तैयार किए हैं। पहले ये महिलाएं केवल घरेलू उपयोग के लिए दिए बनाती थीं, लेकिन अब जिला प्रशासन और ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से इन्हें व्यावसायिक रूप दिया गया है। राजपुर की जय मां अम्बे स्व-सहायता समूह और बलरामपुर की ज्योति समूह की दीदियां दिन-रात लगन से दिए तैयार कर रही हैं। इन दोनों समूह में 10-10 दीदियां शामिल हैं। समूह की अध्यक्ष श्रीमती सलिता गुप्ता बताती हैं कि पहले दीपावली पर बाहर से दिए खरीदते थे, अब हम खुद बना रहे हैं और बेच भी रहे हैं, ये हमारे लिए आत्मनिर्भर बनने का नया रास्ता मिला है। समूह की महिलाएं कहती हैं कि दीयों को बनाने में प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है। समूह की महिलाओ के द्वारा सुंदर डिज़ाइनों, रंगों और आकृतियों में सजाया गया हैं। साथ ही आकर्षक तरीके से पैकेजिंग की गई है।

इससे एक ओर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय हस्त कला को भी नई पहचान मिल रही है। महिला स्व-सहायता समूह में कार्यरत महिलाओ ने लगभग 5500 तैयार किए गए दिए और प्रशासन द्वारा उनके लिए बिक्री स्थल हेतु उपलब्ध कराया गया है।

स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर मार्केटिंग की व्यवस्था की गई है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा जगह-जगह 16 से 19 अक्टूबर तक बिहान बाजार लगाया जा रहा है। जहां स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की बिक्री के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाए गए हैं। जहां विभिन्न समूह की महिलाओं के द्वारा मिट्टी के दीपक, रंगोली, बांस से निर्मित सामग्रियां सहित अन्य हस्त निर्मित उत्पाद एवं सामाग्रियां बिक्री की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री साय के हर गरीब के सिर पर पक्का छत हो रहा है साकर कर रहा

वर्षों पुराने सपनों को पंख देता सबको आवास के संकल्प को दी नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास और सबको आवास के संकल्प को साकार करने की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिले में हजारों परिवारों का पक्का मकान का सपना अब साकार हो चुका है। सूरजपुर जिले की बड़ी उपलब्धि हासिल की है, 22 माह में 28 हजार 255 मकान पूर्ण कराए गए हैं और हितग्राहियों के खाते में 343.88 करोड़ की राशि खातों में सीधे हस्तांतरित की गई है।

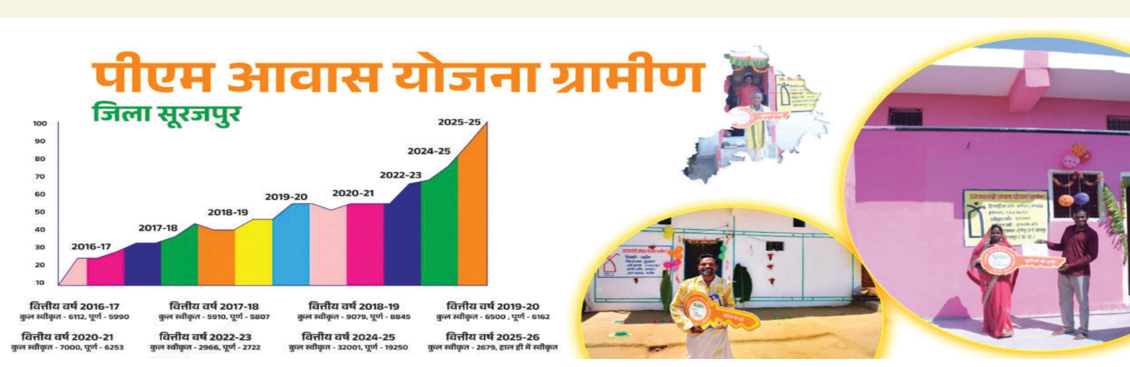

सूरजपुर जिले आवास उपलब्धता को वर्षवार देखे तो वित्तीय वर्ष 2016-17 से अब तक जिले में लगातार प्रगति दर्ज की गई है । प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 2016-17 आवास स्वीकृत 6112 में से 5990 आवास पूर्ण करा लिया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2017-18 स्वीकृत 5910 आवासों में से 5807 आवास पूर्ण, वर्ष 2018-19 स्वीकृत 9079 आवास में से, 8845 आवास पूर्ण, वर्ष 2019-20 स्वीकृत 6500 आवासें में से, 6162 आवास पूर्ण, वर्ष 2020-21 स्वीकृत 7000 आवासों में से 6253 आवास पूर्ण, वर्ष 2022-23 में स्वीकृत 2966 आवासों में से, 2722 आवास पूर्ण, वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 32001 आवासों में से, 19250 आवास पूर्ण और वर्ष 2025-26 में 2679 आवास स्वीकृत किए गए हैं।

केंद्र शासन द्वारा शुरू किए गए 'आवास प्लस 2.0' के तहत अब तक जिले में 1.40 लाख से अधिक परिवारों का सर्वे कार्य पूर्ण किया गया है। जिले के उल्लेखनीय उपलब्धि के तहत पिछले सिर्फ 22 माह में 28,255 परिवारों के मकान पूर्ण किए गए हैं तथा विगत 22 माह में ही 343.88 करोड़ की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। आवास योजना के तहत् ही मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 633 आवास स्वीकृत है जिसके विरुद्ध 123 आवास पूर्ण हो चुके है। साथ ही विशेष परियोजना में जिले के 5 आत्म समर्पित एवं पीड़ित नक्सल परिवारों को आवास से लाभान्वित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के सबको आवास उपलब्ध करने के लिए प्रारंभ की गई यह योजना आज ग्रामीण भारत के सपनों को हकीकत में बदल रही है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में इस योजना को गति देते हुए हर पात्र परिवार तक पक्के आवास की सुविधा पहुंचाने का कार्य तेज़ी से जारी है। इसके साथ ही अभिसरण माध्यम से मनरेगा द्वारा 90 मानव दिवस की मजदूरी राशि, स्वयं सहायता समूह में लाभार्थी को जोड़ा जा रहा है, शौचालय, उज्जवला, नल जल कनेक्शन एवं विद्युत कनेक्शन जैसी सुविधाएं दी जा रही है। सूरजपुर जिले द्वारा प्रदेश में अभिनव पहल स्थापित की गई है कि जिस लाभार्थी को आवास निर्माण के दौरान राशि की कमी पड़ रही है उन्हें स्वयं सहायता समूह के द्वारा लोन स्वीकृत कर, आवास निर्माण कराने में सहूलियत प्रदाय किया जा रहा है। इसके अंतर्गत अब तक 122.65 लाख रुपए ग्रामीणों को आबंटित की जा चुकी है। राज्य स्तर पर जिले की इस संबंध में सराहना की गई है। स्वयं सहायता समूह द्वारा शेटरिंग एवं अन्य सामग्री भी कम दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनांतर्गत आरसेटी के माध्यम से ग्रामीणों को प्रशिक्षण भी प्रदाय किया जा रहा है। राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है ताकि हितग्राही की पहुंच प्रशासन तक आसान हो और अपनी समस्या का समाधान घर बैठे प्राप्त कर सके। राज्य स्तर की हेल्पलाइन नंबर 18002331290 एवं जिला स्तर हेल्पलाइन नंबर +91-9244049285 है। जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा सतत मॉनिटरिंग, ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से योजना को नई दिशा दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी के हर गरीब के सिर पर पक्का छत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सूरजपुर जिला एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950